महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीवन में आधा दुःख गलत लोगों से उम्मीद रखने से आता है.. और बाकी का आधा दुःख सच्चे लोगों पर शक करने से आता है..!

वर्ष : 16 अंक : 317 | उज्जैन, बुधवार 29 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

थानों में सीसीटीवी के लिए फंड के इस्तेमाल के मुद्दे पर बैठक बुलाए केंद्र, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाने के लिए राज्यों द्वारा फंड के इस्तेमाल के पहलू पर विचार-विमर्श करने के लिए छह मई को एक बैठक बुलाई जाए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अमिकस क्यूरी और वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ देव से कहा कि केंद्र सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक करें। पीठ ने कहा- हम चाहते हैं कि अमिकस द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव या उनके नामित व्यक्ति और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिव भाग लेंगे। यह मुद्दा तब सामने आया जब देव ने राज्यों द्वारा फंड के उपयोग का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र 100 प्रतिशत फंड देता है, जबकि पहाड़ी राज्यों में 90 प्रतिशत और अन्य राज्यों में 60 प्रतिशत फंड केंद्र द्वारा दिया जाता है। पीठ ने कहा- राज्यों से फंड के उपयोग पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं मिल रही है? शीर्ष अदालत ने सुझाव दिया कि अमिकस इस मुद्दे पर केंद्र, राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के साथ बैठक बुला सकता है। मामले की सुनवाई अगली सुनवाई 13 मई को होगी और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सात अप्रैल को केंद्र ने बताया था कि पुलिस थानों में सीसीटीवी स्थापित करने से संबंधित सभी मुद्दे दो सप्ताह में सुलझा लिए जाएंगे। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था।

मेरे पास 7 गवाह हैं, शशि थरूर ने किरण रिजिजू के कांग्रेस महिला-विरोधी दावे का किया खंडन

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर की एक बात को लेकर दावा किया था। रिजिजू ने बताया था कि शशि थरूर ने यह बात मानी है कि उनकी पार्टी महिला-विरोधी है। किरेन रिजिजू की इस बात को खारिज करते हुए शशि थरूर ने आज मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी भी ऐसी कोई बात न तो कही और न ही ऐसी किसी बात का कोई संकेत दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मुझे अफसोस है, लेकिन मैं किरेन रिजिजू के लिए पूरे सम्मान के साथ कहता हूं कि मैंने किसी भी समय ऐसी कोई बात न तो कही और न ही उसका कोई संकेत दिया। शशि थरूर ने आगे लिखा, उस फोटो में सात गवाह मौजूद हैं जो इस बात की पुष्टि कर सकते हैं! शशि थरूर ने किरेन रिजिजू के साथ हुई बातचीत के अंश को भी शेयर करते हुए उनके साथ हुई बात के बारे में बताया। थरूर ने लिखा, हमारे मंत्री कहते हैं, उनका मतलब यही था। नहीं, सर, मेरा मतलब यह बिल्कुल नहीं था कि कांग्रेस महिला-विरोधी हो सकती है... एक तरह से उन्होंने इस बात से सहमति जताई, उन्होंने आगे कहा। मुझे अफसोस है, लेकिन मैंने किसी भी तरह से इस बात से सहमति नहीं जताई।

शशि थरूर ने आगे बताया, कांग्रेस ने सोनिया गांधी जैसी एक मजबूत महिला अध्यक्ष के नेतृत्व में महिलाओं के अधिकारों और महिला आरक्षण के लिए हमेशा आवाज उठाई है। थरूर ने बताया, हमने महिला आरक्षण बिल की शुरुआत की, अपने कार्यकाल के दौरान इसे राज्यसभा में पारित करवाया और 2023 में जब भारत सरकार इसे लोकसभा में लेकर आई तो हमने इसका समर्थन किया। हम महिला आरक्षण के पूरी तरह पक्ष में हैं और इसे अभी लागू करवाने के लिए तैयार हैं बिना इसे परिसीमन से जोड़े।

मंत्रि-परिषद की बैठक में विकास योजनाओं के लिये 26 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति

लोक निर्माण के कार्यों के लिए 26311 करोड़ और चिकित्सा शिक्षा, आंगनवाड़ी एवं सिंचाई योजना के लिए 490 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण के लिए 26 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। प्रदेश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग की आगामी 5 वर्षों (2026-2031) की विभिन्न निर्माण व नवीनीकरण परियोजनाओं के लिए 26,311 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सामाजिक न्याय और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मंत्रि-परिषद ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर इसे 1,550 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण सिंचाई व्यवस्था के लिए लखुंदर सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और प्रदेश की 38,901 आंगनवाड़ियों के विद्युतीकरण के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। चिकित्सा क्षेत्र में विस्तार के लिए भोपाल और रीवा के चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृतियां भी दी गईं, जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचना को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नई ऊंचाई प्रदान करेंगी। मंत्रि-परिषद की बैठक वन्दे मातरम गान से प्रारंभ हुई।

लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 155 करोड़ 82 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा शाजापुर जिले की लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना लागत राशि 155 करोड़ 82 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से शाजापुर जिले की शाजापुर तहसील के 17 एवं उज्जैन जिले की तराना तहसील के 7 ग्राम इस तरह कुल 24 ग्रामों के लिए 9 हजार 200 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना अंतर्गत लखुंदर नदी पर शाजापुर जिले में मक्सी के समीप पूर्व से ही निर्मित जलाशय से 24.37 मीट्रिक घन. मीटर जल का उद्वहन कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाऐगी।

लोक निर्माण विभाग के निर्माण और विभिन्न विकास कार्यों के लिए 26 हजार 311 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत मार्गों के नवीनीकरण, कार्यालयों की स्थापना और मरम्मत, आवासों के अनुरक्षण सहित भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी विभिन्न योजनाओं की सोलहवें वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरन्तरता के लिए लगभग 26 हजार 311 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार मुख्यालय कार्यालय स्थापना, मण्डल कार्यालय स्थापना, अनुरक्षण, मरम्मत-संधारण और संभागीय कार्यालय स्थापना संबंधी योजनाओं के लिए 6,180 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

इसके साथ ही केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि संबंधी योजनाओं के लिए 6 हजार 925 करोड़ रूपये, एफ-टाईप से उच्च श्रेणी के शासकीय आवास एवं गैर आवासीय भवनों का अनुरक्षण का कार्य संबंधी योजना के लिए 1 हजार 680 करोड़ रूपये और भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है।

इसके अलावा भारतीय सड़क कांग्रेस को अनुदान और डिक्रीधन के भुगतान के लिए 25 करोड़ 50 लाख रूपये और मुख्य जिला मार्गों, जिला मार्ग तथा अन्य जिला मार्गों के नवीनीकरण संबंधी योजना के लिए 5 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

पिछड़ा वर्ग विद्यार्थी छात्रगृह योजना-2005 में संशोधन की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिल्ली स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रगृह योजना-2005 में संशोधन की स्वीकृति दी है।

स्वीकृति अनुसार अब हर साल कुल 100 नए विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिसमें 50 सीटें स्नातक और 50 सीटें स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए तय की गई हैं। इसके साथ ही, जो विद्यार्थी पहले से इस योजना का लाभ ले रहे हैं, उन्हें उनके कोर्स की अवधि पूरी होने तक सहायता मिलती रहेगी।

आंध्र प्रदेश में खुलेगा गूगल डेटा सेंटर, 15 अरब डॉलर के निवेश से बनेगा AI हब; हजारों नौकरियों के अवसर

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापत्तनम के पास 15 अरब डालर (लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये) के गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाटा सेंटर का शिलान्यास किया और कहा कि यह भारत के लिए एक विकास इंजन होगा।

मुख्यमंत्री ने इस गूगल डाटा सेंटर को एशिया की सबसे बड़ी ऐसी सुविधा बताया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह डाटा सेंटर एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब के रूप में उभरेगा।

15 अरब डॉलर का गूगल डाटा सेंटर- विशाखापत्तनम के तारलुवाड़ा में गूगल क्लाउड इंडिया एआइ डेटा सेंटर के शिलान्यास समारोह में मंगलवार को नायडू ने कहा कि एक गीगावाट क्षमता वाला डाटा सेंटर भारत की डिजिटल संरचना विकास में महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभरेगा।

यह देश के सबसे बड़े एआइ डाटा सेंटर में से एक होने की उम्मीद है और उन्नत एआइ क्लाउड अवसंरचना और बड़े पैमाने पर डाटा भंडारण क्षमताएं प्रदान करेगा। हालांकि राज्य सरकार ने 6.5 गीगावाट की कुल क्षमता के साथ मल्टी-गीगावाट डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाई है।

नायडू ने कहा कि यह परियोजना सितंबर, 2025 में शुरू की गई थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे 28 सितंबर, 2028 को उद्घाटन करेंगे। उन्होंने सभी हितधारकों से अपील की कि वे समय सीमा (23 सितंबर, 2028) से छह महीने पहले इस सुविधा का निर्माण पूरा करें।

मुख्यमंत्री के अनुसार, गूगल डेटा सेंटर युवाओं के लिए हजारों नौकरियों का सृजन करेगा। यह सुविधा तारलुवाड़ा, अदविवरम और रामबिली गांवों में 600 एकड़ में स्थापित होगी।

ऑपरेशन ग्लोबल-हंट: कैसे शिकंजे में आया दाऊद का करीबी सलीम डोला, ड्रग तस्करी सिंडिकेट का था सरगना

नई दिल्ली/ जीएनएस। दाऊद गिरोह का अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क चलाने वाले मोहम्मद सलीम डोला को भारत में लाने में बड़ी सफलता मिली है। गृहमंत्री ने इसके लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बधाई देते हुए कहा कि ड्रग सरगना कहीं भी छिप जाएं, अब उनके लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

पिछले महीने तुर्किये में गिरफ्तार किये सलीम डोला को मंगलवाल की सुबह भारत लाया गया, जहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर ही एनसीबी ने उसे हिरासत में ले लिया है। गुजरात और महाराष्ट्र में कई मामलों में आरोपित सलीम डोला को अदालत ने भगोड़ा घोषित कर रहा है और भारत के अनुरोध पर इंटरपोर्ट ने रेडकार्नर का नोटिस किया था।

सोशल मीडिया एक्स पर लिखे पोस्ट में अमित शाह कहा कि मोदी सरकार की नार्को सिंडिकेट के खिलाफ जीरो टीलरेंस नीति पर काम कर रही है और डोला को वापस में मिली सफलता इसी के अनुरूप है। यह सभी नार्कोटिक्स भगोड़ों और संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्यों को कानून के कटघरे में लाने के मज़बूत इरादे को दर्शाती है।

उनके अनुसार मोदी सरकार ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है और इसके तहत नार्कोटिक्सरोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के जरिए सीमा पार भी अपनी पकड़ बना ली है।

गृह मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार एनसीबी ने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर आपरेशन ग्लोबल-हंट शुरू किया है। इसी के तहत सलीम डोला की तुर्किये में पहचान, गिरफ्तारी और वापस लाने में सफलता मिली है।

भारी तनाव से गुजर रहा देश की एयरलाइन इंडस्ट्री, सरकार से ATF सस्ता करने की लगाई गुहार

नई दिल्ली/ जीएनएस। एअर इंडिया, स्पाइस जेट और इंडिगो ने सरकार से एटीएफ (जेट ईंधन) सस्ता करने और संचालन को सुचारु रूप से चालू रखने के लिए वित्तीय मदद मांगी है।

एटीएफ विमानन कंपनी के परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत होता है। पश्चिम एशिया में उथल-पुथल ने तेल की कीमतों को बढ़ा दिया है। साथ ही, एयरस्पेस पर पाबंदियों ने विमानन कंपनियों की परिचालन लागत (खासकर लंबी दूरी के मार्गों पर) बढ़ा दी है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने नागर विमानन मंत्रालय से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के संचालन में एक जैसी फ्यूल प्राइसिंग सिस्टम लागू करने को कहा है।

जेट फ्यूल की कीमतों में वृद्धि से विमानन कंपनियों को नुकसान- फेडरेशन ने कहा कि जेट फ्यूल की कीमतों में बहुत ज्यादा वृद्धि और क्रूड व एटीएफ के बीच ज्यादा अंतर होने से विमानन कंपनियों का संचालन चुनौतीपूर्ण हो गया है। फेडरेशन ने कहा, एटीएफ की कीमत में बिना वजह वृद्धि से एयरलाइंस को बहुत ज्यादा नुकसान होगा और इससे विमानों को खड़ा करने की नौबत आ जाएगी। 26 अप्रैल को लिखे पत्र में फेडरेशन ने कहा, ऑपरेशन जारी रखने और मौजूदा हालात से निपटने के लिए हम सरकार से तुरंत वित्तीय मदद की गुजारिश करते हैं। साथ ही, फेडरेशन ने एटीएफ पर 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क को कुछ समय के लिए खत्म करने की मांग की है। पिछले महीने, सरकार ने घरेलू संचालन के लिए एटीएफ की कीमत में वृद्धि को 15 रुपये प्रति लीटर तक सीमित कर दिया था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय संचालन के लिए कीमत 73 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दी गई थी।

बुर्का, कलमा और रोजा... कहां है निदा खान? कोर्ट में हुई सुनवाई, पुलिस ने लगाए नए आरोप

मुंबई/ जीएनएस। नासिक की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कंपनी में कथित जबरन मतांतरण और यौन उत्पीड़न मामले में मुख्य आरोपित निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान पुलिस और अभियोजन पक्ष ने उस पर कई गंभीर और नए आरोप लगाए हैं। पुलिस ने कहा है कि इस मामले के तार मलेशिया और मालेगांव से जुड़े हो सकते हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने निदा की अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

नासिक टीसीएस में जबरन मतांतरण एवं यौन शोषण के आरोप में आठ लोगों पर एफआईआर दर्ज होने के करीब 25 दिन बाद भी इस मामले की मुख्य आरोपित निदा खान फरार है। जबकि एआईएमआईएम के नेता इम्तियाज जलील उससे मिलकर आने और उसका साथ देने का दावा कर रहे हैं। निदा खान गर्भवती होने के कारण देते हुए नासिक सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी लगा रखी है।

जंगलों की आग बेकाबू, अलर्ट के बावजूद नहीं थम रही घटनाएं; अप्रैल में 50% अधिक मामले

नई दिल्ली/ जीएनएस। आग लगने के पूर्वानुमान मिलने के बाद भी जंगल में आग लगने की घटनाएं थमते नहीं दिख रही हैं। इसका अंदाजा जंगल में आग लगने की घटनाओं से लगाया जा सकता है।

अप्रैल महीने में ही पिछले सालों के मुकाबले इस बार आग लगने की पचास प्रतिशत अधिक घटनाएं रिपोर्ट हुई है। यह स्थिति तब है जब हर दिन सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआइ) आग लगने वाले संभावित वन क्षेत्रों को लेकर अलर्ट मैसेज जारी कर रही है।

ये मैसेज अगले तीन दिन तक के लिए होते है। जिसमें वनों में आग लगने से बचाने के लिए जरूरी उपाय किए जा सकते है और आग की घटनाओं को टाला जा सकता है।

जंगल में लगातार बढ़ रहीं आग लगने की घटनाएं- जंगल में आग की बढ़ती घटनाओं के बीच वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने चिंता जताई है। साथ ही राज्यों को वनक्षेत्र की आग से बचाने के लिए जरूरी उपाय करने को कहा है।

मंत्रालय की यह चिंता जब सामने आयी है, जब मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, ओडिशा व छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्र आग के लिहाज से सबसे अधिक संवेदनशील बने हुए हैं। एफएसआइ इसे लेकर लगातार अलर्ट जारी कर रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल महीने में ही जंगल में संभावित आग लगने के 77 हजार से अधिक अलर्ट मैसेज राज्यों को भेजे गए हैं। इनमें 14 हजार से अधिक आग के संभावित मैसेज मध्य प्रदेश को भेजे गए हैं।

सीमापार आतंकवाद पर दोहरा मापदंड बर्दाश्त नहीं, राजनाथ सिंह ने चीन के सामने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया संकट के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देने को लेकर भारत के निशाने पर रहा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकी समूहों को पाकिस्तान की ओर से दिए जाने वाले समर्थन की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए कहा कि एससीओ को राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला करने वाले सरकार-प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इस पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है।

आतंकवाद पर बोले रक्षा मंत्री - ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि इस आपरेशन ने भारत के इस दृढसंकल्प को प्रदर्शित किया है कि आतंकवाद के पनाहगार अब न्यायसंगत दंड से अछूते नहीं रहेंगे। किर्गिस्तान के बिश्केक में मंगलवार को एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवादियों को उकसाने, आश्रय देने और सुरक्षित ठिकाने मुहैया कराने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने में संगठन को हिचकिचाना नहीं चाहिए।

साथ ही कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से बिना किसी अपवाद के निपटकर हम क्षेत्रीय सुरक्षा को एक चुनौती से शांति और समृद्धि की आधारशिला में बदल सकते हैं। आतंकवाद विरोधी उपायों को सर्वोपरि बताते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि संगठन आतंकवाद के खिलाफ इस खतरे से लड़ने के लिए ऐसे कृत्यों और विचारधाराओं की निंदा करता है। पिछले वर्ष के तियानजिन घोषणापत्र का जिक्र किया जिसमें आतंकवाद के खिलाफ भारत का दृढ और सामूहिक रुख स्पष्ट हुआ था।

उन्होंने इसे आतंकवाद और इसके अपराधियों के प्रति भारत के जीरो टालरेंस दृष्टिकोण का प्रमाण बताते हुए कहा कि सामूहिक विश्वसनीयता की असली कसौटी निरंतरता में निहित है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या विचारधारा नहीं होती।

मातृ पृथ्वी दिवस पर इंदौर में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के मॉडल ने किया प्रेरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में स्वच्छता के लिए पहचान बना चुका इंदौर शहर लगातार नंबर वन क्यों है, इसका उत्तर मातृ पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में देखने को मिला। समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों ने न केवल जागरूकता बढ़ाई, बल्कि धरती के प्रति जिम्मेदारी का भी मजबूत संदेश दिया।

विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि मालवा प्रांत, इंदौर संभाग द्वारा एसजीएसआईटीएस के जयशंकर स्पंदन सभागार में मातृ पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के सह संयोजक श्री राकेश जैन और मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी इंदौर की प्रोफेसर डॉ. किरण बाला उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और जलांजलि के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री राकेश जैन ने कहा कि इंदौर की स्वच्छता में नंबर वन की स्थिति का श्रेय यहां के जागरूक नागरिकों को जाता है, जो कचरे के सही प्रबंधन के माध्यम से धरती मां की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल एक दिन मनाकर कर्तव्यों की पूर्ति नहीं हो सकती, बल्कि निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। डॉ. किरण बाला ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि अब केवल जागरूकता अभियान या नुक्कड़ नाटक से पर्यावरण संरक्षण संभव नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं, उद्योगों और एनजीओ ने अपने-अपने अनुभव साझा किए, जो अत्यंत प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहे।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि लगभग 70 संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें से 30 से अधिक ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से कचरा प्रबंधन के प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किए। साथ ही जैविक खाद, बायो एंजाइम, मिट्टी संरक्षण, थैला बैंक और प्लास्टिक मैनेजमेंट से जुड़ी प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्वाति वर्मा और श्रीमती कल्पना शर्मा ने किया। अतिथि परिचय दीपक व्यास ने दिया, जबकि आभार प्रदर्शन दीपक शर्मा ने किया। तकनीकी सहयोग आयुष शर्मा ने प्रदान किया और पूरे कार्यक्रम की परिकल्पना सुश्री स्वाति चौहान द्वारा की गई।

इंदौर में यातायात जागरूकता डिजिटल रथ का शुभारंभ, सड़क सुरक्षा के प्रति दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने यातायात जागरूकता डिजिटल रथ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया जाएगा और सुरक्षित यातायात का संदेश दिया जाएगा।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत शुरू किया गया यह डिजिटल रथ शहर के चारों जोन में प्रमुख चौराहों और मार्गों पर भ्रमण करेगा। रथ में लगाए गए डिजिटल स्क्रीन, ऑडियो-विजुअल सिस्टम और जागरूकता संदेशों के फ्लैक्स के जरिए लोगों को यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। साथ ही लघु फिल्में और वीडियो क्लिप के माध्यम से भी आमजन को जागरूक किया जाएगा।

इस रथ की विशेष आकर्षण हेलमेट की प्रतिकृति है, जिसके जरिए लोगों को हेलमेट पहनने के महत्व को समझाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, जिससे न केवल उनकी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके, बल्कि अन्य लोगों की सुरक्षा भी बनी रहे।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी सहित यातायात पुलिस के अधिकारी, ट्रैफिक प्रहरी, नागरिक और अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। पुलिस विभाग द्वारा लगातार ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे शहर में सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके और लोगों में जिम्मेदार यातायात व्यवहार विकसित हो।

बिजासन माता मंदिर के विकास को लेकर महापौर का दौरा, 'बिजासन लोक' बनाने की तैयारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रमुख आस्था केंद्र बिजासन माता मंदिर के समग्र विकास को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रशासनिक अमले के साथ स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर समिति के साथ बैठक कर विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

महापौर ने कहा कि बिजासन माता मंदिर इंदौरवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर को भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने के लिए ÷बिजासन लोक÷ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले मंदिर क्षेत्र की भूमि का चिन्हांकन किया जाएगा, जिससे उपलब्ध जमीन का स्पष्ट आकलन हो सके। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। प्रस्तावित योजना में तालाब का सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं के लिए सुगम आवागमन व्यवस्था और पार्किंग सुविधाओं का विस्तार शामिल है। महापौर ने यह भी जानकारी दी कि इस परियोजना को लेकर वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

इंदौर में 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान बना जनभागीदारी का उदाहरण, 3557 नागरिक जुड़े

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए चलाया जा रहा 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान अब जनभागीदारी का मजबूत उदाहरण बनता जा रहा है। इस अभियान से जुड़कर हजारों नागरिक पुलिस के साथ मिलकर ट्रैफिक प्रबंधन में सहयोग दे रहे हैं, जिसे देखते हुए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाने वाले प्रहरियों को सम्मानित भी किया जा रहा है।

मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में रीना पुरोहित, डॉ. समीर खान, पीयूष लोदवाल और अशफाक अली को उनके सराहनीय योगदान के लिए शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने सभी प्रहरियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए नागरिकों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि अब तक 3557 जिम्मेदार नागरिक इस अभियान से जुड़ चुके हैं और अपनी सुविधा के अनुसार विभिन्न चौराहों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग कर रहे हैं। यह पहल न केवल ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि आमजन में नियमों के पालन के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है।

खजराना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खजराना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स और एक ऑटो रिक्शा जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत लगभग चार लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इरफान मोहम्मद उर्फ हामा और गोकुल चौरसिया के रूप में हुई है। दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के साथ ही जल्दी पैसा कमाने के लालच में सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर महंगे दामों में बेचने का काम करते थे।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना खजराना की टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम खजराना क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान रंगून गार्डन के पास स्कीम नंबर 134 में दो संदिग्ध युवक स्कूटी पर बैठे दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही दोनों भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से अवैध एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना खजराना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस आरोपियों से ड्रग्स के स्रोत और नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी सराहना की जा रही है।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई, एमडी ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ जारी अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 11.12 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.10 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके साथ ही एक लग्जरी वाहन, मोबाइल फोन और डिजिटल तोल मशीन सहित कुल लगभग 42 लाख रुपये का मशरूका भी जब्त किया गया है।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा संदिग्धों की तलाश के दौरान शिवालय रोड क्षेत्र में एक टोयोटा फॉरच्यूनर गाड़ी में बैठे एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस को देखकर आरोपी घबरा गया, जिसके बाद घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नंदकिशोर वोरा उर्फ वंश निवासी मुसाखेड़ी बताया। गाड़ी की तलाशी लेने पर सीलिंग बॉक्स के पास एक पारदर्शी पन्नी में रखी एमडी ड्रग्स बरामद हुई, वहीं वाहन से एक डिजिटल तोल मशीन भी मिली। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सस्ते दामों में मादक पदार्थ खरीदकर नशे के आदी लोगों को महंगे दामों में बेचता था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है और मादक पदार्थ के स्रोत व नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि क्राइम ब्रांच द्वारा 1 जनवरी 2026 से अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 25 प्रकरण दर्ज कर 39 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

रतलाम मंडल ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 16.56 लाख रुपये का टिकट चेकिंग राजस्व अर्जित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने टिकट चेकिंग अभियान में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया है। 27 अप्रैल 2026 को मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ ने एक ही दिन में 16.56 लाख रुपये का राजस्व अर्जित कर अपनी सतर्कता और कार्यकुशलता का परिचय दिया। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और बिना टिकट यात्रा पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडल लगातार सक्रिय है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती हीना वी. केवलरामानी के निर्देशन में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जा रही है। मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार, इस विशेष अभियान के तहत रतलाम, उज्जैन, इंदौर, चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, दाहोद, देवास और डॉ. अम्बेडकर नगर सहित विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर और मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों में सघन टिकट जांच की गई। इस दौरान कुल 2249 प्रकरण दर्ज किए गए, जिससे यह बड़ी राजस्व प्राप्ति संभव हो सकी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह उपलब्धि टीम के समर्पण, सतर्कता और बेहतर समन्वय का परिणाम है। रतलाम मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें, ताकि सभी को सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।

इंदौर में 'हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें' अभियान जारी, 4150 से अधिक हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा को लेकर इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का हेलमेट पहनें- सुरक्षित रहें जनजागरूकता अभियान लगातार प्रभावी रूप से जारी है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह की अगुवाई में अब तक 29 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 4150 से अधिक हेलमेट जरूरतमंद वाहन चालकों को वितरित किए गए हैं।

मंगलवार को पलासिया चौराहे पर आयोजित 29वें वृहद अभियान में पुलिस कमिश्नर, पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किए गए, जिनके पास वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे लेकिन वे हेलमेट का उपयोग नहीं कर रहे थे।

इंदौर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 28 पुलिसकर्मी सम्मानित, 17 को अपहरण कांड सुलझाने पर मिला इनाम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को 28 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सभी को सम्मानित किया।

इस दौरान नाबालिग बच्चों के अपहरण और फिरौती मांगने वाले मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने और बच्चों को सकुशल उनके परिजनों तक पहुंचाने वाली टीम के 17 पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इन पुलिसकर्मियों की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों के पुलिसकर्मियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इनमें अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स जब्त करने, अंधे कत्ल का पर्दाफाश करने, वाहन चोरों को पकड़ने और यातायात प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि आम नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण देने के लिए पुलिसकर्मियों का मनोबल ऊंचा रखना आवश्यक है। ऐसे सम्मान कार्यक्रम न केवल पुलिस बल को प्रेरित करते हैं, बल्कि उनके कार्यों के प्रति समाज में विश्वास भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इंदौर में तेज गर्मी का असर, अप्रैल में ही होने लगी मई महीने में होने वाली बिजली की खपत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तपता मौसम सिर्फ पारे के उछाल का रिकॉर्ड नहीं बना रहा बल्कि बिजली की खपत और मांग का भी नया रिकॉर्ड बन रहा है। इस वर्ष अप्रैल में ही बिजली की मांग उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंदौर जिले में बिजली की कुल मांग 950 मेगावाट और शहर में 635 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। बीते वर्ष तक इतनी खपत मई माह में दर्ज होती थी। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ताजा आंकड़ों के अनुसार शहर और ग्रामीण मिलाकर कंपनी इन दिनों 1.75 करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति कर रही है। इस 950 मेगावाट की बिजली मांग में शहर की हिस्सेदारी करीब 1.40 करोड़ यूनिट प्रतिदिन यानी 635 मेगावाट की है। बीते वर्ष के अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह से तुलना की जाए तो बिजली की खपत 20 से 25 प्रतिशत ज्यादा दर्ज हो रही है।

सुबह से सड़कों पर एक्शन में दिखे निगम कमिश्नर, बारिश से पहले नालों की सफाई के निर्देश दिए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और आगामी मानसून के दौरान जलभराव की संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोमवार को नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने शहर की मास्टर प्लान वाली प्रमुख सड़कों और विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मैदानी स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नालों की सफाई और सड़क निर्माण को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

निगम कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान कलाल कुई रोड, चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि होते हुए मच्छी बाजार रोड और गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार रोड तक का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को हिदायत दी कि मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को जल्द से जल्द बेहतर ट्रैफिक सुविधा मिल सके। उन्होंने विशेष तौर पर कलाल कुई मस्जिद रोड के निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। मानसून से पहले नालों की सफाई पूरी करने के निर्देश दिए

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने विभिन्न क्षेत्रों सहित पीलिया खाल नाले की वर्तमान स्थिति को भी देखा। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए उन्होंने जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और नालों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि मार्ग के शेष निर्माण कार्यों को भी शीघ्र समाप्त करने पर जोर दिया ताकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात का संचालन सुचारू रूप से हो सके और राहगीरों को आवागमन में किसी बाधा का सामना न करना पड़े।

गुटकेश्वर से सदर बाजार रोड के मध्य स्थित पुलिया के चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए निगम कमिश्नर ने इसे जल्द पूरा करने की बात कही। उनका मानना है कि इन प्रमुख परियोजनाओं के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा और वाहन चालकों के लिए आवाजाही सुगम होगी।

इसके अतिरिक्त उन्होंने मेघदूत गार्डन स्थित ट्रंप कंपोज्ड प्लांट और ट्रीटेड पानी हाइड्रेन का भी अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल और पराग अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इंदौर में जनसुनवाई के दौरान पुलिस कमिश्नर ने सुनी 85 आवेदकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर प्रत्येक आवेदक की व्यथा सुनी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित इस जनसुनवाई में कुल 85 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई के दौरान सामने आए मामलों में पारिवारिक विवाद, आपसी झगड़े, पैसों के लेन-देन, वित्तीय धोखाधड़ी, जमीन और प्लॉट से जुड़े विवाद, महिला अपराध तथा पुलिस सुनवाई से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। पुलिस कमिश्नर ने हर आवेदक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया, वहीं कई मामलों में अधिकारियों को फोन पर भी त्वरित कार्रवाई के लिए कहा।

उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर शिकायत का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान सभी जोन के पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनकर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की।

पुलिस द्वारा यह भी बताया गया कि कई मामलों में मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों का समाधान करने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को त्वरित और संतोषजनक राहत मिल सके।

जहाँ कभी घना जंगल और सन्नाटा था, आज वहीं चमत्कारी आस्था, भव्य मेला, जनसहभागिता और तेज़ रफ्तार विकास की रोशनी से जगमगाता

अंबा माता मंदिर बना एक ऐतिहासिक मिसाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब आस्था दिल में हो, जनसमर्थन साथ खड़ा हो और जनप्रतिनिधियों का संकल्प जुड़ जाए, तो जंगल भी विकास की रोशनी से जगमगा उठता है। ऐसा ही प्रेरणादायक नज़ारा इन दिनों नीमच जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर दड़ौली पंचायत के प्रसिद्ध अंबा माता मंदिर में देखने को मिल रहा है।

कभी सादगी में सिमटा यह धार्मिक स्थल अब विकास की नई पहचान बनता जा रहा है। मंदिर परिसर में लगातार सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था और सुविधाएं मिल रही हैं। यह बदलाव यूं ही नहीं आया–इसके पीछे क्षेत्र की जागरूक जनता, मंदिर समिति की सक्रिय भूमिका और क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सकलेचा के सतत प्रयासों का मजबूत योगदान है।

आज अंबा माता मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि जनभागीदारी और विकास की मिसाल बन चुका है, जहां श्रद्धा के साथ-साथ प्रगति भी साफ दिखाई दे रही है।

कभी यहाँ घना जंगल था, सन्नाटा पसरा रहता थाज लेकिन आज वही जगह विकास की नई कहानी लिख रही है। करीब 55 से 60 लाख की लागत से भव्य आस्था का मंदिर लगभग बनकर तैयार है। मंदिर परिसर में विशाल डोम, सराय और वर्तमान में चल रहे गार्डन जैसे निर्माण कार्यों ने इस क्षेत्र को नई पहचान दे दी है–मानो सच में जंगल में मंगल हो गया हो।

क्षेत्र की जागरूक जनता ने बढ़ाया विकास का हाथ- इस भव्य मंदिर निर्माण के पीछे सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की आस्था, एकजुटता और समर्पण की मजबूत नींव है। क्षेत्र की जागरूक जनता ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया, वहीं मंदिर समिति ने दिन-रात मेहनत कर इस सपने को साकार रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

श्रद्धालुओं के दिल से निकले दान और सेवा भावना ने इस निर्माण को नई गति दी है। हर छोटे-बड़े योगदान ने मिलकर इस धार्मिक स्थल को भव्यता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यही जनसहभागिता आज इस मंदिर को सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि एकता और विकास की जीवंत मिसाल बना रही है।

विधायक ओमप्रकाश सकलेचा ने दिया खुलकर सहयोग- जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा ने अंबा माता मंदिर के विकास में दिल खोलकर योगदान दिया है। जनआस्था से जुड़े इस कार्य में उन्होंने न केवल रुचि दिखाई, बल्कि ठोस आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया।

विधायक निधि से वर्ष 2025 में 10 लाख 50 हजार रुपये की स्वीकृति देकर निर्माण कार्यों को गति दी गई, वहीं वर्ष 2026 में मंदिर परिसर में भव्य डोम के निर्माण के लिए भी विशेष सहयोग दिया गया। इससे पहले भी वे कई बार मंदिर विकास के लिए आगे आते रहे हैं।

उनके निरंतर सहयोग और सकारात्मक पहल ने इस धार्मिक स्थल के विकास को नई दिशा दी है, जिससे आज यह मंदिर क्षेत्र में आस्था के साथ-साथ भव्यता का भी केंद्र बनता जा रहा है।

हर साल सजता है भव्य आस्था का मेला- अंबा माता मंदिर में हर वर्ष नवरात्रि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जो क्षेत्र की आस्था और परंपरा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। इस वर्ष 30 अप्रैल से 8 मई तक विशाल मेले का आयोजन होने जा रहा है, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। मंदिर परिसर में रौनक लौट आई है और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मंदिर में चल रहे व्यापक विकास कार्यों के कारण इस बार चैत्र नवरात्रि में मेला आयोजित नहीं हो सका था, लेकिन अब भव्य स्तर पर इसकी भरपाई की जा रही है। इस मेले में यज्ञ, कलश स्थापना, श्रीमद् भागवत कथा सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर देंगे।यह मेला न केवल आस्था का संगम है, बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति, परंपरा और सामूहिक उत्साह का जीवंत उत्सव भी बनता जा रहा है अंबा माता मंदिर को क्षेत्र में चमत्कारी आस्था स्थल के रूप में माना जाता है। श्रद्धालुओं की गहरी मान्यता है कि जो भी सच्चे मन से यहाँ आकर माता के चरणों में माथा टेकता है, उसकी हर मन्नत अवश्य पूरी होती है। कोई भी भक्त यहां से खाली हाथ नहीं लौटता–यही विश्वास इस मंदिर को लोगों की अटूट श्रद्धा और आस्था का केंद्र बनाता है।

जिला जेल के बंदियों का हुआ एक्स-रे के माध्यम से टीबी स्क्रीनिंग परीक्षण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 100 दिवसीय आयुष्मान आरोग्य अभियान के तहत दिनांक 28 अप्रैल को कलेक्टर अदिति गर्ग के मार्गदर्शन एवं सीएमएचओ डॉ. गोविंद सिंह चौहान एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. आर के द्विवेदी के सानिध्य में एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला जेल मंदसौर में किया गया स्वास्थ्य विभाग के टीबीएचवी अजय पाण्डेय ने उपस्थित बंदियों को टीबी रोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सही पोषण लेकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे। शिविर में मेडिकल कॉलेज मंदसौर डीन शशि गांधी के सानिध्य में चिकित्सा जगत के विशेषज्ञों और स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं, जिनमें प्रमुख रूप से सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज से इंटर्न डॉ. अमन खान, खादिजा बुरहानी, फार्मासिस्ट नयन राठौर, एक्स-रे टेक्निशियन विवेक तुगनावत, स्टाफ नर्स नाजिया मंसूरी, साथ ही जिला जेल से पीके सिंह जेल सुपरिटेंडेंट, आरके विश्वकर्मा डिप्टी एसपी, केएस सिसोदिया जेल मेडिकल ऑफिसर, अर्पण बारिया मेल नर्स उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 100 आवेदन पर हुई सुनवाई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में आज मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन एवं एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव ने आवेदको को सुना एवं आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये।

चार नए श्रम कानूनों के विरोध में दवा प्रतिनिधियों की बैठक, बताया मजदूरों के अधिकारों पर हमला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय दवा बाजार में दवा प्रतिनिधि यूनियन की एक बैठक हुई। जिसमें मध्य प्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के महासचिव अनुराग सक्सेना ने नए चार श्रमिक कानूनों को मज़दूरों के अधिकारों को छीनने वाला बताया और उसके विभिन्न दुष्प्रभावों कि जानकारी भी दी।

एमआर यूनियन मंदसौर शाखा की इस बैठक में भोपाल से पधारें राज्य महासचिव अनुराग सक्सेना ने बताया कि नए चार कानून श्रमिकों को अपनी यूनियन बनाने से रोकते है। यूनियन हमेशा श्रमिकों के अधिकारों के लिए अपनी आवाज उठाती है। चार श्रमिक कानूनों में ई एस आई सी और भविष्य निधि में अंशदान कम कर दिया गया है। आकस्मिक अवकाश कम कर दिए गए है। अर्जित अवकाश को 180 संचित दिन से 90 दिन कर दिया गया है। इन चार श्रमिक कानूनों में नियोक्ता को ये अधिकार दिए है कि वे बिना सूचना दिए कंपनी को बंद कर सभी श्रमिकों को बेरोजगार कर सकते है। ये चार श्रमिक कानून फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट को बढ़ावा देता है, जिससे नियोक्ता श्रमिकों का शोषण कर कभी भी नौकरी से निकाल सकता है। अतः हमारी मांग है कि श्रमिकों के पूर्व कानूनों को यथावत रख उसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इस अवसर पर राज्य सचिव अभिषेक जैन, नीमच संयोजक प्रमोद बिवरे, मंदसौर सचिव उपेन्द्र राय, कोषाध्यक्ष मयंक चुनकर ने भी संबोधित किया। संचालन मंदसौर यूनियन अध्यक्ष दिनेश चंदवानी ने किया। इस अवसर पर लोकेश जैन, संदीप भावसार, चंद्रशेखर शर्मा, आशीष जैन, मिथुन वास, विनय मुजावदिया, विकास कुमार, बिजेंद्र झा, नीरज माली, विमल विश्वकर्मा, धर्मवीर सिंह, अश्विनी तिवारी, महेश धनोतिया, कमलेश कछावा, राम बिरला, निशांत कुमार, अजहर अंसारी, हेमंत चंदेल, कैलाश चौहान, रंजीत बसवा, विवेक पांडे, मयंक कुमावत, होकम रायका, महेंद्र कुमावत, अनिल शर्मा, पलाश सोनी, नरेश गुर्जर, चंदन कुमार, जितेंद्र सिंह, अमित कुमार, नरेश जायसवाल, मनीष भावसार, इत्यादि उपस्थित थे।

नीमच जिला अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, वेतन और एरियर के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिला चिकित्सालय में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने पिछले कई महीनों से वेतन न मिलने और बकाया एरियर के भुगतान को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर के नाम एक आवेदन सौंपा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं, तो उन्हें कड़े कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारी- CEDMAP कंपनी के अंतर्गत कार्यरत इन आउटसोर्स कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले 2 माह से वेतन नहीं दिया गया है। इसके अलावा, पिछले 11 माह का एरियर भी अभी तक बकाया है। ज्ञापन में बताया गया कि बार-बार कंपनी प्रबंधन से मौखिक अनुरोध करने के बावजूद अब तक भुगतान की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

परिवारों के सामने भरण-पोषण की समस्या- उपस्थित घनश्याम बैरागी सहित कर्मचारियों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि वेतन न मिलने से वे गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। बच्चों की स्कूल फीस जमा करने में असमर्थता हो रही है, घर का राशन और रोजमर्रा के खर्च चलाना कठिन हो गया है, बीमारी के समय इलाज के लिए भी पैसे उपलब्ध नहीं हैं। इसके चलते कर्मचारियों ने कलेक्टर से अपनी मांगों के तहत 2 माह का बकाया वेतन तत्काल जारी कराए जाने, 11 माह के बकाया एरियर का भुगतान सुनिश्चित करने और भविष्य में हर माह समय पर वेतन भुगतान की गारंटी दी जाने संबंध में त्वरित कार्रवाई का निवेदन किया है।

ज्ञापन प्रदर्शन के दौरान जिला अस्पताल की विभिन्न इकाइयों PICU, SNCU और NRC में कार्यरत दर्जनों कर्मचारी गजेंद्र, सागर, युवराज, संजय, मीना, किरण, अभिषेक, रीना, नेहा आदि उपस्थित रहे। अब देखना यह है कि प्रशासन इस संवेदनशील मामले में क्या कदम उठाता है।

जब तक किसानों को उनका हक नहीं मिल जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा- युकां जिलाध्यक्ष

मन्दसौर में किसान न्याय सत्याग्रह 14वें दिन भी रहा जारी, आज होगा समापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में युवा कांग्रेस द्वारा किसान हितों को लेकर इस प्रकार के ÷किसान न्याय सत्याग्रह÷ आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें किसानों की समस्याओं और नीतिगत मुद्दों को उठाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल के नेतृत्व में मंदसौ कृषि उपज मंडी में चल रहा किसान न्याय सत्याग्रह लगातार चौदहवें दिन भी मंगलवार 28 अप्रैल को जारी रहा।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने सत्याग्रह को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश का किसान आर्थिक संकट, बढ़ती लागत और घटते समर्थन मूल्य के बीच संघर्ष कर रहा है। सरकार की नीतियां किसानों को राहत देने के बजाय उन्हें और अधिक परेशान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान न्याय सत्याग्रह किसानों की आवाज को बुलंद करने का एक प्रयास है, जिसमें किसानों के अधिकार, उचित मूल्य, कर्ज से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन की मांग प्रमुख है। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों को उनका हक नहीं मिल जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। यह आंदोलन केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई है, जिसमें युवा कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ किसानों के साथ खड़ी है।

सत्याग्रह में मुख्य रूप से पूर्व ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष युनुस मेव, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अनीश मंसूरी, माजिद चौधरी, मयंक चौहान, अर्जुन चौधरी, सम्यक जैन चौधरी, विपिन बंसल, दिलीप पाटीदार, आदर्श जोशी, पप्पू सिंह, अर्जुन सिंह, परसराम जोरावर सिंह, मनोज परिहार, लोकेंद्र सिंह, रईस पटवारी, जफर अली, अंकित अग्रवाल, नितिन शर्मा, अनीश मंसूरी, सिकंदर मंसूरी, रईस खान,समीर खान, आमिन खान, विनोद पटेल, राज नारायण लाड़,मोहम्मद सिद्दीकी, राकेश पाटीदार,मंगल पाटीदार, दिलीप गुर्जर, नैन सिंह गुर्जर, रघुवीर सिंह गुर्जर, याकूब मसूरी सहित बड़ी संख्या में युवा व वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

किसान न्याय सत्याग्रह का आज होगा समापन- जिलाध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने बताया कि इस किसान न्याय सत्याग्रह का समापन आज 29 अप्रैल को दोपहर 2 बजे स्थानीय कृषि उपज मंडी, मन्दसौर में किया जाएगा। समापन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष किसान कांग्रेस श्री धर्मेन्द्र चौहान, विधायक महिदपुर श्री दिनेश जैन बॉस, प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई श्री आशुतोष चौकसे, जिला कांग्रेस प्रभारी मनोज राजानी, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस अभिषेक परमार एवं जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस देवास विश्वजीत सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। साथ ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर एवं विधायक विपिन जैन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में किसानों एवं आमजन से उपस्थित रहने की अपील की गई है।

गरोठ पुलिस ने 50 किलो गांजा बरामद किया, पिता गिरफ्तार, बेटा फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाना पुलिस ने ग्राम सपानिया से दो कट्टों में भरा हुआ 50 किलो 230 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। मामले में एक बुजुर्ग को पुलिस ने मौके से हिरासत में लिया है, जबकि उसका बेटा फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस प्रेसनोट के अनुसार गरोठ थाना प्रभारी बलवीरसिंह यादव के निर्देशन में सउनि धन्नालाल योगी को 28 अप्रैल को मुखबीर ने सूचना दी। इस पर ग्राम सपानिया में मौके पर जाकर पुलिस टीम के साथ छानबीन की गई। यहां आरोपी गुमानसिंह पिता हरीसिंह सौंधिया 62 वर्ष निवासी सपानिया ने अपने गांव स्थित अपने खेत पर बने बाड़े के पास दो कट्टों में गांजा रखा था। आरोपी यह गांजा किसी बाहरी तस्कर को देने जाने वाला था, उससे पहले पुलिस ने धरपकड़ की। आरोपी गुमानसिंह के कब्जे से दो प्लास्टिक के कट्टों के अंदर रखे छोटे-छोटे पैकेट में कुल 50 किलो 230 ग्राम गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने जब्त गांजे की कीमत 7 लाख 50 हजार रुपए आंकी है। आरोपी गुमानसिंह ने पूछताछ में बताया कि उसके लड़के नारायणसिंह के द्वारा यह मादक पदार्थ गांजा लाया गया है। इस पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपी नारायणसिंह पिता गुमानसिंह सौंधिया निवासी सपानिया की तलाश शुरू की है।

जनहित में नप सभापति विवेक सोनगरा ने सीतामऊ एसडीएम कार्यालय का घेराव किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय सीतामऊ में मंगलवार को सीतामऊ नगर परिषद के सभापति विवेक सोनगरा ने जनहित के विभिन्न विषयों एवं पूर्व के जनहित पत्रों के संदर्भ में समाधान नहीं होने पर अकेले घेराव किया। सोनगरा ने सीतामऊ एसडीएम की कर्तव्य कार्यों में उदासीनता का आरोप लगाया। उनके साथ वार्ड नागरिक भी थे। सीतामऊ एसडीएम एवं तहसीलदार से मौके स्थल पर मिलना चाहा, परंतु दोनों ही कार्यालय में नहीं मिले। जनहित संदर्भ में जनप्रतिनिधि सभापति विवेक सोनगरा ने एसडीएम कक्ष के बाहर मौके स्थल पर नायब तहसीलदार कार्यालय अधिकारी गंगवाल को कहा कि पूर्व में जनहित विभिन्न विषयों जनसमस्याओं के समाधान करने एवं पूर्व के पत्रों संदर्भ में कार्यवाही को लेकर एवं मौके स्थल पर जन समस्याओं के समाधान करने हेतु अवगत कराया गया था। परंतु दुर्भाग्य का विषय है कि जनहित कार्यों के प्रति भी गंभीर नहीं है। पत्र के माध्यम से सीतामऊ तालाब के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का सीमांकन त्वरित करने एवं सीतामऊ नगर एवं वार्ड क्रमांक 06 क्षेत्र के विभिन्न जनहित विषयों जन समस्याओं का त्वरित समाधान कार्यवाही करने हेतु पूर्व पत्रों संदर्भ में आवश्यक कार्यवाही समाधान करने सीतामऊ नायब तहसीलदार को पत्र प्रेषित किया। मौके स्थल पर नायब तहसीलदार ने पत्र लिया एवं जनसमस्याओं को सुनकर संबधित अधिकारियों को अवगत करने की बात कही एवं आश्वासन दिया।

कोतवाली व नई आबादी थाना पुलिस ने अलग-अलग जगहों से चार सटोरिये पकड़े

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली और नई आबादी थाना पुलिस ने चार अलग-अलग कार्रवाई करते हुए नेहरु बस स्टैंड और प्रतापगढ़ पुलिया एवं नई आबादी पुलिस ने मेनपुरिया फंटा और पुरातत्व संग्रहालय के सामने से चार व्यक्तियों को सट्टा अंक लिखते रंगे हाथ पकड़ा है। पुलिस के अनुसार आरोपी धर्मेन्द्र दर्जी पिता नारायण दर्जी 39 वर्ष निवासी डीडी नगर रतलाम हाल मुकाम बालागंज मंदसौर को नेहरु बस स्टैंड से सट्टा अंक लिख कर अवैध लाभ कमाते पकड़ा गया है। उसके कब्जे से 340 रुपए व पर्ची बरामद की गई है। इसके अलावा प्रतापगढ़ पुलिया क्षेत्र में जियो होटल के सामने से मोहन धनगर पिता सालगाम धनगर 59 वर्ष निवासी हैदरवास को 400 रुपए नकदी व सट्टा पर्ची सहित पकड़ा गया है।

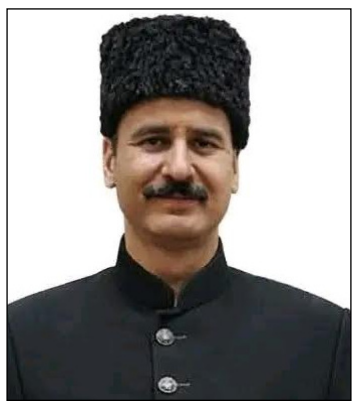

विचारधारा नहीं, अवसरधारा ,दल-बदल और पदों की रेवड़ियों पर जनता का मुक़दमा-असअद अंसारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लेखक और समाजसेवक असअद अंसारी ने अपने तय एक वक्तव्य में कहा है कि वादों के रंग बदलते चेहरे, और सत्ता की मिठास में घुलती विचारधारा-जनता अब हिसाब मांग रही है। भारतीय लोकतंत्र में इन दिनों एक नई विचारधारा जन्म ले चुकी है,न यह वाम है, न दक्षिण, न समाजवाद, न राष्ट्रवाद। इसका नाम है अवसरवाद। और इस विचारधारा के सबसे बड़े पुरोधा वे नेता हैं, जो चुनाव से पहले कुछ और होते हैं और सत्ता के बाद कुछ और। जनता अब कन्फ्यूज़ नहीं है, बल्कि हैरान है,क्या नेता बदलते हैं या सिर्फ़ उनकी कुर्सियाँ?

कभी पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें सरकार की नाकामी थीं, आज वही वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम हैं। कभी आधार निजता का खतरा था, आज वही सरकारी योजनाओं की रीढ़ है।पहले गैस सिलेंडर की क़ीमत बढ़ने पर आंदोलन होते थे,अब मजबूरी है।लेकिन यह कहानी सिर्फ़ एक दल की नहीं है।कांग्रेस ने दशकों तक जिन नीतियों को लागू किया, विपक्ष में आने के बाद उन्हीं नीतियों की आलोचना की। भाजपा ने जिन मुद्दों पर सड़क से संसद तक आंदोलन किया, सत्ता में आने के बाद उन्हीं पर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया।आम आदमी पार्टी ने राजनीति में नई ईमानदारी का दावा किया, लेकिन समय के साथ वही गठबंधन, वही समझौते और वही बयानबाज़ी अपनानी पड़ी, जिन्हें कभी पुरानी राजनीति कहा जाता था। और क्षेत्रीय दल?वे तो इस कला में पारंगत हो चुके हैं,आज इधर, कल उधर, और हर बार दावा हम तो जनता के हित में ही आए हैं।लेकिन इस पूरी कहानी का सबसे मीठा और सबसे कड़वा सच है पदों की रेवड़ियाँ।

दल-बदल अब सिर्फ विचारों का नहीं, विभागों का लेन-देन बनता जा रहा है।आज जो नेता जनता की सेवा के नाम पर पार्टी बदलता है, वह कल मंत्री, बोर्ड का अध्यक्ष, या किसी आयोग का सदस्य बनकर सामने आता है। योग्यता पीछे छूट जाती है और निष्ठा का नया पैमाना बन जाता है किसके साथ खड़े हो और कब खड़े हो। सत्ता के गलियारों में यह फुसफुसाहट अब खुली सच्चाई बन चुकी है कि विचारधारा नहीं, अवसर का समय पहचानो पद अपने आप मिल जाएगा। सवाल यह नहीं है कि नेता दल क्यों बदलते हैं। सवाल यह है कि क्या उनके सिद्धांत भी साथ बदल जाते हैं?और अगर बदल जाते हैं, तो फिर जनता किस पर भरोसा करे। घोषणापत्र पर या अगले चुनाव तक के इंतज़ार पर? लोकतंत्र में मतदाता सिर्फ वोटर नहीं होता, वह गवाह भी होता है और जज भी।वह सुनता है, याद रखता है और अब धीरे-धीरे सवाल भी पूछनता है,फैसला करता है। यह व्यंग्य नहीं, हकीकत है कि आज का नेता गिरगिट से भी तेज़ रंग बदलता है लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि गिरगिट मजबूरी में बदलता है, और नेता अक्सर सुविधा में। राजनीति में लचीलापन बुरा नहीं है, लेकिन जब लचीलापन रीढ़ की हड्डी ही गायब कर दे, और उसकी जगह पदों की मिठास ले ले, तब समस्या खड़ी होती है।जनता अब यह समझने लगी है कि असली लड़ाई भाजपा बनाम कांग्रेस या किसी तीसरे दल की नहीं है बल्कि सच बनाम सुविधा की है।और इस लड़ाई में फैसला चुनाव आयोग नहीं, जनता की जागरूकता करेगी। क्योंकि अंत में सवाल वही रहेगा नेता बदले हैं, या सिर्फ़ उनके बयान और उनके पद?

अवैध खनिज परिवहन पर कलेक्टर ने की कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा खनिज के अवैध परिवहन के प्रकरण में बड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन मालिक पर 1,45,250/- रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

प्रकरण का विवरण दिनांक 20.04.2026 को प्रभारी खनि निरीक्षक नीमच द्वारा ग्राम दडौली, तहसील जावद में आकस्मिक भ्रमण के दौरान वाहन डम्पर क्रमांक RJ 09 GD 2397 में खनिज एम-सेण्ड भरा पाया गया। जांच में वाहन चालक/मालिक के पास शासकीय वैध पारपत्र रायल्टी पास तो पाई गई, परंतु उसमें अंकित मात्रा से अधिक मात्रा में खनिज का परिवहन किया जा रहा था।

की गई कार्रवाई- वाहन को जप्त कर पुलिस चौकी सरवानिया महाराज में सुरक्षार्थ रखा गया।

म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत उक्त कृत्य को अवैध परिवहन की श्रेणी में मानते हुए प्रकरण दर्ज किया गया। जिला खनि अधिकारी के प्रतिवेदन से सहमत होते हुए कलेक्टर द्वारा अध्याय पांच नियम 20(1) के तहत अनावेदक वाहन मालिक कैलाश पिता छोटूलाल गुर्जर, निवासी वार्ड नं. 13 चिरमीखेड़ा, पोस्ट डिकेन, तहसील जावद पर - खनिज रायल्टी का 15 गुना÷ 5,250/- रु.पर्यावरण क्षतिपूर्ति÷ 1,40,000/- रु.कुल शास्ति राशि÷ 1,45,250/- रु. अधिआरोपित की गई है।

वाहन मुक्ति की शर्त÷ आदेश में स्पष्ट किया गया है, कि अधिरोपित जुर्माना राशि 1,45,250/- रु. चालान से 15 दिवस के भीतर शासकीय कोष में जमा करने पर ही जप्तशुदा डम्पर RJ 09 GD 2397 को मुक्त किया जाएगा। समयावधि में राशि जमा न करने पर भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत वसूली की जावेगी।

नीमच की 6 वर्षीय गौरी को मिला नया परिवार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य के तहत नीमच की एक और बालिका को परिवार का स्नेह मिला है। नीमच की बाल गृह में आश्रयरत 6 वर्षीय बालिका गौरी (परिवर्तित नाम) को विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर केरल के सोनी दंपति (परिवर्तित नाम) को गोद दिया गया है।

प्रकरण का विवरण÷ कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिले में मिशन वात्सल्य का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नीमच सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया, कि मिशन वात्सल्य के तहत यह दत्तक ग्रहण की कार्यवाही पूर्ण की गई। उन्होंने बताया, कि बालिका गौरी(परिवर्तित नाम) आयु 6 वर्ष 4 दिन, वर्ष 2020 से नीमच के सुखसागर महिला मंडल में आश्रयरत थी। संस्था संचालिका ने परिवार को खोजने के भरसक प्रयास किए।

सम्पादकीय

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक 'ट्रिगर पॉइंट' के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं।

बदलाव के इस दौर में भारत ने सिर्फ समझौता नहीं, संबंध रचे

वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते प्रवाह के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में वह ऐतिहासिक क्षण दर्ज हुआ, जब भारतङ्कन्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने एक नए युग का संकेत दिया। यह केवल औपचारिक करार नहीं, बल्कि भारत की संतुलित शक्ति, रणनीतिक परिपक्वता और दूरदर्शी नेतृत्व का सशक्त प्रमाण है। इस समझौते से भारतीय निर्यात की सभी 8,284 टैरिफ लाइनों पर 100त्न शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से अभूतपूर्व अवसर खुले हैं। वहीं न्यूजीलैंड के लगभग 95त्न निर्यात मूल्य पर शुल्क में कमी या समाप्ति की राह भी बनी है। यह वही क्षण है, जहां तीव्र गति से बढ़ते अवसर और सजग संरक्षण की समझ साथ-साथ आगे बढ़ रही है।

परिवर्तन की तेज़ रफ्तार के बीच यह समझौता भारत की औद्योगिक धड़कनों में नई शक्ति का संचार करता दिखाई देता है, जहां उत्पादन आधारित क्षेत्र इसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरते हैं। टेक्सटाइल, परिधान, चमड़ा, जूता और इंजीनियरिंग उत्पाद अब शून्य शुल्क के साथ न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश करेंगे, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त कई गुना सशक्त होगी। पहले जो औसत 2.2 प्रतिशत शुल्क एक अदृश्य अवरोध की तरह सामने आता था, वह अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए यह बदलाव केवल अवसर नहीं, बल्कि एक नए युग का संकेत है। अनुमानित 20 बिलियन डॉलर का निवेश आने वाले वर्षों में रोजगार, नवाचार और तकनीकी प्रगति को नई गति दे सकता है।

दूरियों को अवसर में बदलती यह पहल व्यापार की सीमाओं से आगे बढ़कर मानव संसाधन के वैश्विक विस्तार को नई दिशा देती है। न्यूजीलैंड द्वारा 5000 भारतीय पेशेवरों के लिए विशेष वीजा कोटा तथा 1000 कार्य-अवकाश वीजा इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि भारतीय कौशल अब विश्व की प्रमुख आवश्यकता बन चुका है। सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, अभियंत्रण और शिक्षा जैसे क्षेत्रों के युवा तीन वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय कार्यानुभव अर्जित कर सकेंगे। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियंत्रण तथा गणित (स्टेम) के विद्यार्थियों के लिए सरल कार्य-अधिकार इस सहयोग को और मजबूत बनाते हैं। यह पहल केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं के आत्मविश्वास को वैश्विक पहचान में बदलने का सशक्त माध्यम है।

संतुलित नीतिगत सूझबूझ का सबसे सशक्त प्रतिबिंब इस समझौते में कृषि क्षेत्र के प्रति बरती गई संवेदनशीलता में दिखाई देता है। डेयरी उत्पादों (दूध, चीज, दही आदि), चीनी, प्याज, चना और अन्य प्रमुख संवेदनशील कृषि वस्तुओं को बाहर रखते हुए भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि किसानों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। न्यूजीलैंड के मजबूत डेयरी उद्योग से संभावित चुनौती को दूरदर्शिता से टाला गया है। इसके बदले हॉर्टिकल्चर, कीवी, सेब और शहद जैसे क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग और कोटा-आधारित रियायतों का रास्ता चुना गया है, जिससे भारतीय कृषि को नई तकनीक और उत्पादकता का लाभ मिलेगा। यह दर्शाता है कि उदारीकरण तभी सार्थक होता है, जब उसके साथ संरक्षण का विवेकपूर्ण संतुलन जुड़ा हो।

संरचना की व्यापकता और दृष्टि की गहराई में यह समझौता आधुनिक आर्थिक साझेदारी का सशक्त प्रतिमान बनकर उभरता है। 20 अध्यायों में विन्यस्त यह ढांचा मूल नियमों, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, स्वच्छता एवं पादप-स्वच्छता मानकों, तकनीकी अवरोधों और विवाद निवारण जैसी जटिल व्यवस्थाओं को सरल, स्पष्ट और पारदर्शी स्वरूप देता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को विशेष प्राथमिकता देकर उन्हें वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का ठोस मार्ग तैयार किया गया है। कृषि प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में संभावित 20 बिलियन डॉलर का निवेश भारत को एक उभरते वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है, जहां केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि मूल्य संवर्धन भी प्रमुख आधार बनेगा।

सफलता की असली कसौटी कागज़ी समझौतों में नहीं, बल्कि उनके ठोस क्रियान्वयन में परिलक्षित होती है। अपेक्षित है कि संसदीय अनुमोदन के बाद यह समझौता 2026 के अंत तक प्रभावी हो जाएगा, किंतु इसके वास्तविक लाभ तभी सामने आएंगे जब भारत अपनी लॉजिस्टिक्स व्यवस्था, गुणवत्ता मानकों और वैश्विक विपणन रणनीतियों को सुदृढ़ बनाएगा। तकनीकी हस्तांतरण और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों और उद्योगों तक ठोस लाभ पहुंचाना अनिवार्य होगा। वैश्विक व्यापार की तीव्र प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता भारत को स्थिरता और विस्तार, दोनों का सशक्त आधार प्रदान कर सकता है। रणनीतिक परिप्रेक्ष्य में यह समझौता भारत की परिपक्व आर्थिक सोच का द्योतक है। अब भारत केवल बाजार खोलने वाला निष्क्रिय राष्ट्र नहीं, बल्कि अपने हितों को केंद्र में रखकर शर्तों को गढ़ने और दिशा देने वाला आत्मविश्वासी तथा निर्णायक सहभागी बन चुका है। सूचना प्रौद्योगिकी, वस्त्र और अन्य निर्यात क्षेत्रों को मिला 20 बिलियन डॉलर का प्रोत्साहन, 5000 पेशेवरों के लिए विशेष अवसर और द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य इस परिवर्तन की स्पष्ट और प्रभावशाली अभिव्यक्ति हैं। साथ ही किसानों की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए यह मॉडल समावेशी, संतुलित और टिकाऊ विकास की दिशा में एक सुदृढ़ कदम सिद्ध होता है।

यहीं से एक नए आर्थिक अध्याय की असली तस्वीर उभरती है–यह मुक्त व्यापार समझौता भारत की दूरदर्शिता, आत्मविश्वास और संतुलित नीति-निर्माण की परिपक्वता का तीव्र और प्रभावशाली प्रमाण बनकर सामने आता है। यदि इसका क्रियान्वयन दृढ़ संकल्प, सटीक रणनीति और अटूट प्रतिबद्धता के साथ किया गया, तो यह केवल व्यापारिक विस्तार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक निर्णायक, विश्वसनीय और प्रभावकारी शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। यह वह क्षण है, जहां भारत अवसरों का उपभोग करने भर तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ते हुए भविष्य की दिशा को स्वयं आकार देने वाला सक्रिय शिल्पकार बन चुका है।

-प्रो. आरके जैन

सीमाओं से परे बढ़ता सेवाओं का व्यापार

वैश्विक व्यापार में आ रहे बदलावों को समझने का एक तरीका है गुरुत्व मॉडल जो कहता है कि दो देशों के बीच होने वाला द्विपक्षीय व्यापार उनके आर्थिक आकार के समानुपाती और उनके बीच की दूरी के व्युत्क्रमानुपाती होता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम विश्व आर्थिक परिदृश्य में प्रकाशित एक अध्ययन दिखाता है कि सेवाओं के मामले में यह तर्क कमजोर हो रहा है, और हाल के दशकों में सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है।

2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में, दूरी में 1 फीसदी की वृद्धि से सेवाओं के व्यापार में 0.63 फीसदी की कमी आती थी, ठीक वैसे ही जैसे वस्तुओं के व्यापार में। लेकिन 2022ङ्क23 तक यह प्रभाव घटकर 0.52 फीसदी रह गया। सरल शब्दों में कहें तो सेवाओं के लिए भौगोलिक दूरी का महत्त्व कम हो गया है। वर्ष2008 के वित्तीय संकट और 'स्लोबलाइजेशन' (वैश्वीकरण की धीमी होती प्रक्रिया) के बाद भी, सेवाओं का व्यापार वैश्विक वृद्धि का एक मजबूत वाहक बनता जा रहा है।

इस बदलाव को दो शक्तियां आगे बढ़ा रही हैं। पहली, सेवाओं की प्रकृति खुद बदल गई है। पहले सेवाओं के व्यापार में परिवहन और यात्रा का वर्चस्व था, जो लोगों और वस्तुओं की आवाजाही पर निर्भर करते थे और 2000 में सेवाओं के व्यापार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा थे। लेकिन 2023 तक ऐसी सेवाओं का हिस्सा घटकर 40 फीसदी से भी कम हो गया। उनकी जगह आधुनिक सेवाएं मसलन सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त और व्यापार सेवाएं आदि आ गई हैं, जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है।

दूसरा, तकनीक ने व्यापार के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क ने कई सेवाओं को व्यापार योग्य बना दिया है। फिर भी, अनेक अवसर अब भी दोहन करने के लिए हैं। वैश्विक स्तर पर सेवाओं का व्यापार मुख्य रूप से विकसित अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रित है। साथ ही, बाधाओं की प्रकृति भी बदल रही है। वस्तुओं के व्यापार में जहां शुल्क प्रमुख हैं, वहीं सेवाओं को नियामक और संरचनात्मक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे डेटा स्थानीयकरण नियम, लाइसेंसिंग आवश्यकताएं, विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध और अनुपालन मानक। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव इन बाधाओं को और मजबूत कर रहे हैं, जिससे बाजार तक पहुंच अधिक जटिल हो रही है। भारत का सेवाओं का निर्यात कुछ ही बाजारों, विशेषकर अमेरिका और यूरोप पर निर्भर है, जिससे यह नियामक जोखिमों के प्रति संवेदनशील हो जाता है। यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत का सेवाओं का व्यापार समग्र व्यापार प्रदर्शन का केंद्र बन गया है। वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2005 में 1.9 फीसदी से बढ़कर 2023 में 4.3 फीसदी हो गई। वित्त वर्ष 25 में सेवाओं का निर्यात रिकॉर्ड 387.5 अरब डॉलर तक जा पहुंचा जो 13.6 फीसदी की वृद्धि है।

-सुनील कुमार महला

तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी असंतोषजनक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात एआई आज केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गया है, बल्कि यह सामाजिक संरचनाओं, आर्थिक अवसरों और शक्ति संतुलन को पुनर्परिभाषित करने वाला परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। इस परिवर्तन के केंद्र में यदि किसी वर्ग के लिए सर्वाधिक संभावनाएँ छिपी हैं तो वह है महिला वर्ग, क्योंकि सदियों से अवसरों की असमानता, संसाधनों तक सीमित पहुँच और निर्णय-निर्माण में कम भागीदारी जैसी बाधाओं का सामना करने वाली महिलाओं के लिए एआई एक नई ऊर्जा, नई दिशा और नया इम्पैक्ट लेकर आया है।

विश्व स्तर पर उपलब्ध नवीन आँकड़े यह संकेत देते हैं कि तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अभी भी संतोषजनक नहीं है, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार एआई से जुड़े कार्यक्षेत्रों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 28 से 30 प्रतिशत के बीच है, जबकि नेतृत्वकारी भूमिकाओं में यह प्रतिशत और भी कम हो जाता है, भारत में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में लगभग 20 प्रतिशत एआई पेशेवर महिलाएँ हैं, परंतु यदि प्रशिक्षण, डिजिटल पहुँच और नीतिगत समर्थन को व्यापक बनाया जाए तो 2027 तक इस संख्या के चार गुना तक बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है। यह आँकड़ा केवल सांख्यिकीय वृद्धि का संकेत नहीं बल्कि सामाजिक शक्ति संतुलन में संभावित बड़े बदलाव का संकेत है। एआई इम्पैक्ट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह कौशल आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है।

जहाँ पारंपरिक लैंगिक पूर्वाग्रह अपेक्षाकृत कम प्रभावी होते हैं। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल ट्यूटर, एआई-आधारित भाषा अनुवाद उपकरण और कोडिंग सिमुलेटर उन महिलाओं के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं जो भौगोलिक, सामाजिक या पारिवारिक कारणों से औपचारिक संस्थानों तक नहीं पहुँच पाती थीं।

इस संदर्भ मे यूनेस्को ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि एआई को समावेशी दृष्टिकोण के साथ विकसित किया जाए तो यह महिलाओं की कार्यभागीदारी और नेतृत्व क्षमता को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा सकता है, इसी प्रकार डिजिटल ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी रिपोर्टों में उल्लेख किया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में लैंगिक समानता सुनिश्चित करना वैश्विक विकास की अनिवार्य शर्त है।

एआई इम्पैक्ट का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम कार्यस्थल पर महिलाओं की आवाज़ को सशक्त करना है। मीटिंग एनालिटिक्स कंपनी की एक हालिया रिपोर्ट में पाया गया कि एआई-सहायता प्राप्त वर्चुअल मीटिंग टूल्स के उपयोग से महिलाएँ औसतन 9 प्रतिशत अधिक बोलती हैं, क्योंकि एआई आधारित नोट-टेकिंग और समय प्रबंधन उपकरण उन्हें बिना बाधा अपनी बात रखने का अवसर देते हैं। यह परिवर्तन प्रतीकात्मक नहीं बल्कि संरचनात्मक है, क्योंकि निति-निर्माण में आवाज़ की उपस्थिति ही शक्ति का पहला चरण होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी भारत में एआई इम्पैक्ट का एक और आयाम उभर कर आया है जहाँ डिजिटल सखी, एआई चैटबॉट और स्मार्ट कृषि सलाह प्लेटफॉर्म महिलाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रेरित कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएँ अब एआई आधारित बाजार विश्लेषण, मूल्य पूर्वानुमान और ग्राहक पहुँच टूल्स का उपयोग कर अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुँचा पा रही हैं इससे आय में वृद्धि के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। यह आर्थिक सशक्तिकरण सामाजिक सशक्तिकरण में रूपांतरित हो रहा है; स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई इम्पैक्ट और भी गहरा है। मातृ स्वास्थ्य निगरानी, पोषण परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य चैटबॉट और प्रारंभिक रोग पहचान प्रणाली ग्रामीण महिलाओं के लिए जीवनरक्षक सिद्ध हो रही हैं, जहाँ पहले विशेषज्ञ डॉक्टरों की पहुँच कठिन थी वहाँ अब मोबाइल आधारित एआई समाधान प्राथमिक मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहे हैं। इससे स्वास्थ्य असमानताओं में कमी आने की संभावना है; किंतु एआई का यह सकारात्मक पक्ष तभी स्थायी होगा जब इसके नकारात्मक आयामों को भी गंभीरता से समझा जाए, अनेक अध्ययनों में यह पाया गया है कि लगभग 40 प्रतिशत एआई मॉडल किसी न किसी रूप में लैंगिक पूर्वाग्रह से प्रभावित होते हैं, यदि प्रशिक्षण डेटा असंतुलित है तो निर्णय भी असंतुलित होंगे, यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि डिजिटल हिंसा, डीपफेक और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएँ महिलाओं को प्रभावित कर रही हैं। अनुमान है विश्व की लगभग 38 प्रतिशत महिलाएँ किसी न किसी रूप में ऑनलाइन हिंसा का अनुभव कर चुकी हैं। अतः एआई इम्पैक्ट को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सख्त डेटा नैतिकता, एल्गोरिथमिक पारदर्शिता और लैंगिक संवेदनशील नीति ढाँचा अत्यंत आवश्यक है।एआई महिलाओं के लिए केवल नौकरी का साधन नहीं बल्कि नेतृत्व का माध्यम भी बन सकता है । डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ा सकती है जिससे महिलाओं की भागीदारी मजबूत हो, जब निर्णय तथ्यों और विश्लेषण पर आधारित होंगे तो पूर्वाग्रहों की गुंजाइश घटेगी, इसके अतिरिक्त फ्रीलांसिंग, कंटेंट क्रिएशन, डिजिटल मार्केटिंग, एआई ट्रेनिंग और माइक्रो-टास्किंग जैसे नए क्षेत्रों ने उन महिलाओं को भी आर्थिक स्वतंत्रता दी है जो पारंपरिक नौकरी संरचना में शामिल नहीं हो पाती थीं।

यह लचीला कार्य-मॉडल मातृत्व और पारिवारिक दायित्वों के साथ संतुलन बनाने में सहायक है। एआई इम्पैक्ट का मनोवैज्ञानिक पहलू भी उल्लेखनीय है, जब महिलाएँ तकनीक की उपभोक्ता मात्र न रहकर उसकी निर्माता और नवोन्मेषक बनती हैं तो आत्मविश्वास और पहचान दोनों का विस्तार होता है, विश्वविद्यालयों और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में महिला सहभागिता बढ़ाने के प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले दशक में एआई क्षेत्र में महिला नेतृत्व की नई पीढ़ी उभरेगी; निष्कर्षतः एआई एक दोधारी तलवार अवश्य है परंतु यदि इसे समावेशी नीति, लैंगिक संतुलन, डिजिटल साक्षरता और नैतिक नियमन के साथ आगे बढ़ाया जाए तो इसका इम्पैक्ट महिलाओं के लिए ऐतिहासिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है, यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक, बौद्धिक और राजनीतिक शक्ति संतुलन का परिवर्तन होगा, जहाँ महिला केवल भागीदार नहीं बल्कि निर्णयकर्ता, निर्माता और नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित होगी, और यही एआई की वास्तविक सफलता होगी कि वह तकनीक को मानवता और समानता की दिशा में प्रयुक्त करे, क्योंकि जब महिला सशक्त होती है तो समाज सशक्त होता है और जब समाज सशक्त होता है तो राष्ट्र प्रगतिशील बनता है।

-संजीव ठाकुर

परिवार में सामंजस्य बढ़ाएं सहजयोग से

आज के तेज़-तर्रार जीवन में परिवार के सदस्यों के बीच तनाव, मतभेद और दूरी बढ़ना एक सामान्य समस्या बनती जा रही है। व्यस्त दिनचर्या, डिजिटल जीवन और आपसी संवाद की कमी के कारण रिश्तों में खटास आ जाती है। ऐसे में यदि कोई सरल और प्रभावी मार्ग हमें पारिवारिक सामंजस्य सिखा सके, तो वह है सहजयोग।

सहजयोग क्या है- सहजयोग एक ऐसी ध्यान पद्धति है जो हमें हमारे अंदर की शांति और संतुलन से जोड़ती है। इसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी जी ने की थी। यह पद्धति सहज रूप से आत्म-साक्षात्कार कराकर हमारे भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाती है।

परिवार में सामंजस्य की आवश्यकता- परिवार केवल एक साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव, समझ और सहयोग का नाम है। जब परिवार के सदस्य एक-दूसरे को समझते हैं और सम्मान देते हैं, तभी सच्चा सुख और शांति संभव होती है।

सहजयोग से सामंजस्य कैसे बढ़ाएँ- सामूहिक ध्यान- परिवार के सभी सदस्य यदि रोज़ कुछ समय साथ बैठकर ध्यान करें, तो आपसी संबंधों में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। इससे क्रोध और तनाव कम होता है और प्रेम व समझ बढ़ती है।

भावनात्मक संतुलन- सहजयोग के अभ्यास से मन शांत होता है, जिससे हम छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय समझदारी से व्यवहार करते हैं। इससे विवाद कम होते हैं।

संवाद में सुधार- जब मन शांत और स्थिर होता है, तो हमारी वाणी में भी मधुरता आती है। सहजयोग हमें सिखाता है कि कैसे हम दूसरों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनें और सही तरीके से अपनी बात रखें।

क्षमा और स्वीकार्यता- परिवार में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन उन्हें पकड़कर रखना संबंधों को कमजोर करता है। सहजयोग हमें क्षमा करना और दूसरों को स्वीकार करना सिखाता है, जिससे रिश्ते मजबूत होते हैं।

बच्चों के लिए सकारात्मक वातावरण- जब घर का वातावरण शांत और प्रेमपूर्ण होता है, तो बच्चों का मानसिक और भावनात्मक विकास बेहतर होता है। वे भी स्वाभाविक रूप से अच्छे संस्कार सीखते हैं।

परिवार में सामंजस्य बनाए रखना कोई कठिन कार्य नहीं है, यदि हम अपने भीतर शांति और संतुलन विकसित करें। सहजयोग एक ऐसा सरल माध्यम है, जो न केवल व्यक्ति को बदलता है, बल्कि पूरे परिवार के वातावरण को सकारात्मक बना देता है।अंततः, जब हर सदस्य अपने भीतर की शांति को अनुभव करता है, तो परिवार में प्रेम, समझ और सामंजस्य स्वतः बढ़ने लगता है। सहजयोग इसी परिवर्तन की एक सुंदर शुरुआत है।

पारंपरिक प्रसारण की ढीली होती पकड़ के बीच रेटिंग का शोर-गुल, नियमन पर उठे सवाल

जुलाई 2000 से हर सप्ताह रात 9 बजे सबके घरों से एक आवाज जरूर सुनाई देती थी। लगभग सभी उम्र के लोगों पर जादू चलाने वाली वह आवाज थी 'मैं अमिताभ बच्चन बोल रहा हूं और आप देख रहे हैं कौन बनेगा करोड़पति'। भारत के 35 करोड़ टीवी दर्शकों में आधे से अधिक (उस समय) स्टार प्लस पर अमिताभ बच्चन को देखने के लिए सब काम छोड़ कर टेलीविजन के सामने टकटकी लगाकर बैठ जाते थे। रात 10 बजे उनका शो खत्म होते ही लोग 'कहानी घर घर की' में पार्वती अग्रवाल को और फिर साढ़े दस बजे 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में तुलसी विरानी को देखने से नहीं चूकते थे।

वह टेलीविजन का स्वर्णिम युग था जिसकी शुरुआत 90 के दशक की शुरुआत में स्टार टीवी, ज़ी, सोनी और सन टीवी के आगमन के साथ हुई थी। 25 वर्षों से अधिक समय तक पारंपरिक टेलीविजन प्रसारण (अपॉइंटमेंट टेलीविजन या लीनियर टीवी) ने मीडिया कारोबार पर राज किया और दर्शकों और राजस्व का एक बड़ा हिस्सा बटोरता रहा। हॉटस्टार (2015), नेटफ्लिक्स और एमेजॉन प्राइम वीडियो (2016) के आने के बाद भी यह बात सच रही। मगर वह सुनहरा दौर अब खत्म हो रहा है।

आइए आंकड़ों से समझते हैं। वर्ष 2019 में 21 करोड़ से अधिक भारतीय घरों में टेलीविजन था (लगभग 90 करोड़ लोगों का दर्शक वर्ग)। इनमें से ज्यादातर घरों में डीटीएच (डायरेक्ट-टु-होम) या केबल कनेक्शन थे। कोविड महामारी और वीडियो स्ट्रीमिंग के बढ़ते चलन के कारण यह संख्या घटकर 15.7 करोड़ घरों तक रह गई है (60 करोड़ लोगों तक पहुंच)। इसे और अधिक गहराई से समझने की कोशिश करते हैं।

इन 15.7 करोड़ घरों में लगभग आधे से कम घर डीडी फ्री डिश का इस्तेमाल कर रहे हैं जो सरकारी प्रसारक की एक निःशुल्क डीटीएच सेवा है। बाकी 9.2 करोड़ घरों में केबल या डीटीएच और कनेक्टेड टीवी का संयोजन हैं या इनमें से केवल एक है। इसका मतलब है कि इनमें से आधे से थोड़े अधिक घर केबल या डीटीएच की सेवा ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सैकड़ों बहु-प्रणाली ऑपरेटरों (टीवी सिग्नल वितरकों) ने या तो अपने लाइसेंस लौटा दिए हैं या उनकी अवधि समाप्त हो गई है या फिर रद्द कर दिए गए हैं। नए लाइसेंस के लिए कोई जल्दबाजी नहीं दिख रही।

ये आंकड़े 2025 की शुरुआत के हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इनमें और कमी आई है। ये आंकड़े इसलिए नहीं दिखते क्योंकि आधिकारिक रेटिंग निकाय ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) 2018 से ही इनके आंकड़ों को दोहरा रही है। पिछला बुनियादी अध्ययन उसी वर्ष किया गया था। पारंपरिक टेलीविजन के पतन का सबसे बड़ा संकेत विज्ञापन और भुगतान राजस्व, दोनों में आई भारी गिरावट है। ईवाई की फिक्की-फ्रेम्स रिपोर्ट के अनुसार यह 2019 में लगभग 78,800 करोड़ रुपये से कम हो कर 2025 में लगभग 61,700 करोड़ रुपये रह गया। नियमित रूप से देखने, स्थिर रेटिंग और छह और बारह महीने के विज्ञापन अनुबंधों की पूरी अवधारणा ही खत्म होती दिख रही है।

रेटिंग नियंत्रित करने वाले हाल के कदम हैरान करने वाले हैं। गत 6 मार्च को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बार्क को चार सप्ताह के लिए समाचार चैनलों की रेटिंग रोक देने का निर्देश दिया। यह निर्देश ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले की सनसनीखेज कवरेज को रोकने के मद्देनजर दिया गया था। एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी समाचार प्रसारकों, विज्ञापनदाताओं और एजेंसियों की ओर से पूरी तरह चुप्पी है।

समाचार (जो कुल टीवी दर्शकों का एक छोटा सा हिस्सा है) टीवी की पहुंच की सिकुड़न को देखते हुए महत्त्वहीन हो जाता है। गत 27 मार्च को सरकार ने टीवी रेटिंग नीति 2026 जारी की। यह उन तमाम नियामक बदलावों को खत्म कर देता है, जो तीन अलग-अलग रिपोर्टों, एक कोर्ट केस, काफी खींचतान और 2010 से 2015 के बीच टीएएम (टेलीविजन ऑडियंस मेजरमेंट) के तहत टीआरपी सिस्टम को खत्म करके बार्क बनाने में लगी सारी मेहनत के बाद आए थे। नई नीति में कहा गया है, 'टेलीविजन रेटिंग कंपनी के निदेशक मंडल का कोई भी सदस्य प्रसारण/विज्ञापन/विज्ञापन एजेंसी के व्यवसाय में नहीं होना चाहिए।' इसका मतलब है कि इंडियन ब्रॉडकास्टिंग फाउंडेशन, इंडियन सोसाइटी ऑफ ऐडवरटाइजर्स और ऐडवरटाइजिंग एजेंसीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त उद्यम बार्क को दिशानिर्देशों की अधिसूचना के 30 दिनों के भीतर अपना पुनर्गठन करना होगा। इसका यह भी अर्थ है कि तेजी से घटते लगभग 26,300 करोड़ रुपये के टेलीविजन विज्ञापन बाजार के भविष्य को निर्धारित करने वाले मापदंडों को तय करने की ताकत अब इस उद्योग से बाहर के लोगों के हाथों में होगी।

-धनंजय राजौरा

आत्मनिर्भरता से आगेः भारत के भविष्य को क्यों परस्पर निर्भरता आकार देगी

एक पुराना चीनी शाप कहता है, 'ईश्वर करे तुम्हारा दिलचस्प समय आए।' यह कहावत सुनने वाले के लिए 'अव्यवस्था, अनिश्चितता और उथल-पुथल' की कामना करती है। यही पिछले छह हफ्तों में दुनिया का सार है, जब अमेरिका और इजरायल ने जंग छेड़ी। इस युद्ध ने गैस की कमी, व्यापक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान और तेल की कीमतों में भारी उछाल ला दी है। हम इस अनिश्चितता, अशांति और अव्यवस्था की दुनिया से प्रभावी ढंग से कैसे निपट सकते हैं? जैसे-जैसे हम तात्कालिक चुनौतियों से निपट रहे हैं, हमें दीर्घकालिक सुदृढ़ता की अपनी आवश्यकता पर भी ध्यान देना होगा।

तात्कालिक प्रवृत्ति यही होगी कि हम अपने भीतर झांकें और आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ें। परंतु पूरी दुनिया और भारत भी, दूसरे देशों पर इतना अधिक निर्भर है कि यह एक प्रभावी रणनीति नहीं हो सकती है। वर्ष 2020 में गलवान के बाद हमने चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश की। विदेशी निवेश पर प्रतिबंध लगाए और आयात को सीमित करने की कोशिश की। इसका नतीजा क्या हुआ? चीन को हमारा माल निर्यात 20 अरब डॉलर से कम पर ठहर गया। चीन से हमारा आयात दोगुना यानी 60 अरब डॉलर से बढ़कर 120 अरब डॉलर से अधिक हो गया। इसके चलते व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर का स्तर पार कर गया।

आत्मनिर्भरता का विकल्प है परस्पर-निर्भरता। यानी ऊर्जा के लिए, विशेष मशीनरी के लिए, विमान के लिए, मध्यवर्ती रसायनों के लिए, कुछ इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए हम दूसरों पर निर्भर रहेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दूसरे भी हम पर उतने ही निर्भर हों, उन चीजों के लिए जो केवल हम प्रदान कर सकते हैं, या उन उत्पादों और लागतों के लिए जो विशिष्ट रूप से बेहतर हों। यहां हमें काम करना है। भारत को दुनिया के लिए कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण बनना होगा। इसके लिए घरेलू मजबूती और अंतरराष्ट्रीय महत्त्वाकांक्षा दोनों की आवश्यकता है।

घरेलू मजबूती कैसे हासिल होगी- हमारी अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की बुनियादी स्थिति मजबूत है। उचित वृद्धि, कम महंगाई, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार, और मजबूत बैंक तथा कंपनी बैलेंस शीट आदि इसके उदाहरण हैं। इसलिए, जब हम वर्तमान व्यवधान से निपट रहे हैं तो हमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर काम करना होगा। घरेलू मजबूती एक मजबूत अर्थव्यवस्था से आएगी, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और महत्त्वाकांक्षी कंपनियों पर आधारित होगी। हमें सही कंपनियों की जरूरत है। प्रतिस्पर्धात्मकता को नीति के माध्यम से लागू करना होगा। इसका सबसे अच्छा तरीका है दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों से आयात के लिए खुले रहना। आगे बढ़ते हुए, वास्तव में प्रतिस्पर्धी कंपनी की एक अच्छी कसौटी है निर्यात। क्या हम अपने मुख्य व्यवसाय में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों से उनके ही घरेलू मैदान में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं? 1991 के बाद के सुधारों की विशेषता कंपनियों में बदलाव रही, जहां कम प्रतिस्पर्धी कंपनियां बाहर हो गईं और अधिक सफल कंपनियां फली-फूलीं। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाएं और औषधि उद्योग जैसे नए क्षेत्र प्रमुखता से उभरे, जिन्होंने हमारी सबसे सफल कंपनियां पैदा कीं।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

जनसुनवाई में कलेक्टर सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रिया चंद्रावत सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक नरेन्द्र सारन निवासी खातेगांव ने संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि दिलाई जाये के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

दिव्यांग पेंशन चालू चालू कराई जाए- जनसुनवाई में आवेदक भेरूलाल मालवीय निवासी देवास ने दिव्यांग पेंशन चालू कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

भूमि का सीमांकन कराया जाए- जनसुनवाई में आवेदक बाबूलाल निवासी देवास ने भूमि का सीमांकन कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक विक्रम सिंह मालवीय निवासी देवास ने आर्थिक सहायता राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

मकान का पट्टा बनवाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक विजेन्द्र चौहान ग्राम घटियागयासुर ने मकान का पट्टा बनवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

अमलतास और RSS के यूथ गैदरिंग में गूँजा राष्ट्र निर्माण का संकल्प; युवाओं ने ली सेवा की शपथ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, देवास के संयुक्त तत्वावधान में आज Prominent Youth Gathering (प्रमुख युवा समागम) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में युवाओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला, जहाँ सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद जी एवं डॉ. केशव राव बलीराम हेडगेवार जी के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई। वक्ताओं ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इन महापुरुषों के आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। आज के युवाओं ने कर्तव्य, गौरव और सेवा के मंत्र को अपने जीवन में उतारने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की सामूहिक शपथ ली। मुख्य अतिथि श्री यश भार्गव एवं रमेश पाटीदार उपस्थित रहे प्रमुख वक्ता ने अपने संबोधन में युवाओं को समाज सेवा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही किसी राष्ट्र की असली पूँजी है और जब यह शक्ति वैचारिक रूप से सुदृढ़ होती है, तभी देश प्रगति करता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वैचारिक चर्चाएं भी आयोजित की गईं, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. शरदचंद्र वानखेडे, मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. ए.के. पीठवा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नीट परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला परीक्षा नियंत्रण कक्ष स्थापित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी ने बताया कि जिले में 03 मई 2026 (रविवार) को नीट की परीक्षा जिला मुख्यालय पर देवास में आयोजित होगी। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए परीक्षा के दिन के लिए प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक लिए जिला परीक्षा नियंत्रण कक्ष (07272-252812) स्थापित किया है। परीक्षा नियंत्रण कक्ष के सफल संचालन के लिए उप यंत्री लोक निर्माण विभाग अनीश मरावी जिला देवास को अधिकृत करते हुए इनके सहयोग के लिए राकेश यादव की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत देवास की साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती लीला अटारिया की अध्?यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में पूर्व में आयोजित बैठक के पालन प्रतिवेदन का अनुमोदन किया गया। इस दौरान जिले में ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के तहत किये जा रहे कार्यो की समीक्षा भी की गई। जिले में चलाये जा रहे ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के तहत जिले में किये गये कार्यो की विस्तृत जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा दी गई। बैठक में सभी ने जल शपथ भी ली। बैठक में सांसद प्रतिनिधि/विधायक प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य रूपसिंह धाकड़, कमल वास्कले, रमण कलम, शिवम चौधरी एवं अन्य जिला पंचायत सदस्य उपस्थित थे।

विधायक मनोज चौधरी ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम छोटी चुरलाई में प्याऊ का शुभारंभ किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह मार्गदर्शन में देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। ''जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम छोटी चुरलाई में गर्मी के बीच राहत देने वाली एक सराहनीय पहल की है। ग्राम छोटी चुरलाई में विधायक हाटपीपल्या मनोज चौधरी की उपस्थिति में राहगीरों और किसानों के लिए जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया। पहल का उद्देश्य लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। विधायक मनोज चौधरी ने कहा कि गर्मी के मौसम में पानी सबसे बड़ी जरूरत बन जाता है। ऐसे में यह प्याऊ राहगीरों और किसानों के लिए बड़ी राहत है। इससे लोगों को स्वच्छ और ठंडा पानी मिलेगा।

शराब सिंडिकेट की मनमानी पर आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना का बड़ा एक्शन

अब शराब दुकानों पर क्यूआर कोड का डिजिटल पहरा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेशभर की मदिरा दुकानों पर लंबे समय से चल रही मनमानी वसूली, ओवररेटिंग और नियमों की खुली अवहेलना पर अब आबकारी विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। शराब सिंडिकेट की बेलगाम गतिविधियों पर लगाम कसते हुए आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने प्रदेश की सभी शराब दुकानों पर क्यूआर कोड चस्पा करना अनिवार्य कर दिया है।

विभाग के संज्ञान में लगातार यह शिकायतें आ रही थीं कि कई जिलों में शराब दुकानों पर उपभोक्ताओं से अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक वसूली की जा रही है, वहीं कुछ स्थानों पर प्रतिस्पर्धा के नाम पर न्यूनतम विक्रय मूल्य (रेस्क) से कम दरों पर बिक्री भी हो रही थी। इससे न केवल शासन को राजस्व हानि हो रही थी, बल्कि उपभोक्ताओं के साथ भी खुली लूट मची हुई थी।

अब इस खेल पर रोक लगाने के लिए हर मदिरा दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल से जनरेटेड क्यूआर कोड लगाया जाएगा। उपभोक्ता अपने मोबाइल से इसे स्कैन कर तुरंत संबंधित जिले की शराब की अधिकृत रेट लिस्ट देख सकेंगे और मौके पर ही कीमत का सत्यापन कर पाएंगे।

नियम तोड़ा तो सीधे गिरेगी गाज- यदि कोई दुकान संचालक निर्धारित एमआरपी से अधिक या एमएसपी से कम पर शराब बेचता पाया गया, तो मध्यप्रदेश राजपत्र की कंडिका 21.2 एवं 21.3 के तहत उसके खिलाफ लाइसेंस निरस्तीकरण सहित कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आबकारी विभाग ने साफ कर दिया है कि इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

28 अप्रैल से 7 मई तक चलेगा विशेष अभियान- प्रदेशभर में इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए 28 अप्रैल 2026 से 7 मई 2026 तक 10 दिवसीय विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अभियान की रिपोर्ट 11 मई तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए।

क्यूआर कोड चस्पा करने के सख्त निर्देश- प्रत्येक शराब दुकान के लिए 5 क्यूआर कोड तैयार किए जाएंगे। इनमें से 3 दुकान के प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां से उपभोक्ता आसानी से स्कैन कर सकें। शेष 2 भविष्य के लिए सुरक्षित रखे जाएंगे।

क्यूआर कोड A-3 आकार के 250 जीएसएम गुणवत्ता वाले स्टिकर पेपर पर प्रिंट होंगे, जिनकी चिपकने की क्षमता मजबूत होगी ताकि उन्हें आसानी से हटाया न जा सके।

वृत्त प्रभारी स्वयं क्यूआर कोड स्कैन कर जांच करेंगे कि उसमें एमएसपी और एमआरपी की जानकारी सही प्रदर्शित हो रही है या नहीं। साथ ही दुकान की फोटो और कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र भी विभाग को भेजना अनिवार्य होगा।

अब उपभोक्ता खुद बनेंगे निगरानीकर्ता - आबकारी विभाग का यह कदम पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। अब उपभोक्ता खुद मौके पर ही कीमत जांचकर गलत वसूली का विरोध कर सकेंगे।

स्पष्ट है कि इस बार विभाग सिर्फ आदेश जारी करने तक सीमित नहीं है, बल्कि शराब सिंडिकेट की मनमानी पर सीधा डिजिटल प्रहार करने की तैयारी में है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मां-बेटे घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नेशनल हाईवे 52 पर सोमवार रात करीब 11 बजे सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक पर सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। वे पलसावद सोन गांव निवासी अर्जुन और उनकी मां कालीबाई थे, जो बोल्डी गांव में एक शादी समारोह से अपने घर लौट रहे थे।

हादसा गोलवा के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना मिलने पर नेशनल हाईवे एंबुलेंस 1033 के पायलट किशोर पटेल और ईएमटी कुलदीप आर्य तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया। हालांकि परिजनों ने उन्हें इंदौर ले जाने की बजाय शाजापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे में अर्जुन के सिर में चोट आई है, जबकि उनकी मां कालीबाई के पैर में गंभीर चोट लगी है।

एमपी बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थी मेरिट में

बीते चार वर्ष में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया सकारात्मक बदलाव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में संचालित सांदीपनि विद्यालय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की अनूठी नजीर पेश कर रहे हैं। एमपी बोर्ड के हाल ही जारी 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान पाने में सफलता हासिल की है। इतना ही नहीं, एमपी बोर्ड की इन परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम साल दर साल बेहतर हो रहा है। विगत चार वर्षों में सांदीपनि विद्यालयों ने 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28 प्रतिशत तक का सुधार दर्ज कराया है।

वर्ष 2026 में कक्षा 10 की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जहां 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं, वहीं कक्षा 12 में विज्ञान, वाणिज्य, कला और कृषि संकायों की मेरिट सूची में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 20 प्रतिशत बढ़ी- वर्ष 2023 से संचालित इन सांदीपनि विद्यालयों के वर्ष 2026 तक के परीक्षा परिणामों में वर्ष दर वर्ष प्रगति हो रही है। वर्ष 2023 में एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 68 था, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 88 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं 10वीं कक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत भी 46 से बढ़कर 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

12वीं का परीक्षा परिणाम 28 प्रतिशत तक सुधरा- कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत वर्ष 2023 के 59 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2026 में बढ़कर 87 प्रतिशत से अधिक हो गया। वहीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 42 से बढ़कर 75 प्रतिशत तक हो गया।

सांदीपनि विद्यालयों के प्रयास उत्कृष्ट परिणाम देने पर केंद्रित- इन उपलब्धियों के पीछे सांदीपनि विद्यालयों में सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण, नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग, शिक्षक-छात्रों के बीच बेहतर संवाद तथा परिणाम आधारित रणनीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रथम श्रेणी में विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के प्रतिशत में निरंतर वृद्धि इस बात का संकेत है कि अब प्रयास केवल परीक्षा पास करने तक सीमित न रहकर उत्कृष्ट परिणाम देने पर केंद्रित हो रहे हैं। इन प्रयासों ने शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा भी विकसित की है।

परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित शिक्षा का प्रेरणादायक मॉडल- सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की मेरिट या चयन परीक्षा की अनिवार्यता नहीं होती है। इन विद्यालयों में स्थानीय या आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। इन विद्यालयों के कारण सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े तबके के विद्यार्थियों को भी शिक्षा के आदर्श और आधुनिक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलता है। ऐसे में सांदीपनि विद्यालय आज गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित शिक्षा का एक सशक्त और प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहे हैं।

आशा कार्यकर्ता के बजाए उनका पति कर रहा काम, महिलाओं को हो रही परेशानी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम चौसला कुल्मी के एक युवक ने मंगलवार को कलेक्टर ऋजू बाफना को शिकायती आवेदन सौंपा। जिसमें उन्होंने गांव की सरकारी जमीन पर कब्जा होने व एक आशा कार्यकर्ता द्वारा खुद के बजाए पति से काम करवाने की बात कही।

युवक ने अपनी शिकायत में बताया कि आशा कार्यकर्ता मंजु परमार पर अनपढ़ होने का आरोप लगाया। युवक ने बताया कि मंजु पढ़ी-लिखी नहीं हैं और वे खुद काम करने के बजाय अपने पति से सारा काम कराती हैं। जबकि नियमों के मुताबिक आशा कार्यकर्ता को खुद घर-घर जाकर महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं देनी होती हैं, लेकिन यहां उनका पति यह काम कर रहा है। इससे गांव की महिलाओं को काफी परेशानी और झिझक महसूस होती है। दूसरी शिकायत में बताया कि गांव की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे किया गया है। आरोप है कि कमल परमार नाम के व्यक्ति ने उन लोगों के पट्टों पर कब्जा कर लिया है जो गांव छोड़कर जा चुके हैं। इतना ही नहीं, उसने आसपास की सरकारी जमीन को भी दबा लिया है और वहां कुआं खुदवा लिया है।

बारिश और हवाओं की दिशा से नरम हुए मौसम के मिजाज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में गर्म हो रहे मौसम के तेवर मंगलवार को कुछ नरम हुए और तापमान में दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। पश्चिमी विक्षोभ के कारण आसपास के जिलों में हुई बारिश के चलते मौसम में यह बदलाव हुआ। इसके अलावा हवाओं की दिशा बदलने से भी लोगों को गर्मी से फोरी राहत मिली है।

इसके पहले नगरवासी 43 से 44 डिग्री की गर्मी का सामना कर रहे थे। न दिन में चैन था और न ही रात में उन्हें सुकून मिल रहा था। घर से बाहर निकलने वाले लोगों की संख्या भी न के बराबर थी। वहीं रात में भी गर्म हवाओं के चलते लोगों को गर्मी की तपिश सहना पड़ रही थी। लेकिन रविवार रात व सोमवार को आसपास के जिलों में हुई बारिश से गर्मी के तेवर कम हुए। मंगलवार को तापमान 44 डिग्री से घटकर 42 डिग्री तक पहुंच गया। इसके अलावा हवाओं की दिशा भी उत्तर-पश्चिमी से पश्चिमी हो गई जिससे गर्मी का असर कम हुआ है। वहीं रात का तापमान बढ़कर 26 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि दो से तीन दिन मौसम ऐसा ही रहेगा। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी तापमान कम होगा जो 40 डिग्री तक पहुंच सकता है और दो से तीन दिन तापमान वैसा ही बना रहेगा। हालांकि रात का तापमान वैसा ही रहेगा। उसमें ज्यादा परिवर्तन की संभावना नहीं है।

देवास पुलिस परिवार को मिली तीन नई सुविधाओं की सौगात, गौरवपूर्ण दिन बना यादगार

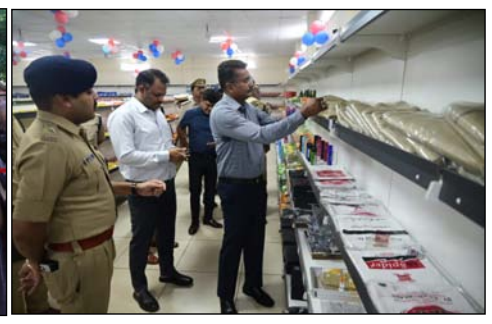

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास पुलिस परिवार के लिए आज का दिन गौरव और खुशी का अवसर बन गया, जब पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए तीन नई महत्वपूर्ण सुविधाओं का शुभारंभ किया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक राकेश गुप्ता तथा उप पुलिस महानिरीक्षक नवनीत भसीन ने फीता काटकर इन सुविधाओं का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर पुलिस कर्मियों की सुविधा और परिवारों के हित को ध्यान में रखते हुए पुलिस सुपर बाजार, दिशा लर्निंग सेंटर एवं पुलिस जिम की शुरुआत की गई।

पुलिस सुपर बाजार के माध्यम से अब पुलिस कर्मियों को एक ही स्थान पर दैनिक उपयोग की घरेलू आवश्यक वस्तुएं सहजता से उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे समय की बचत के साथ सुविधा भी बढ़ेगी।

वहीं दिशा लर्निंग सेंटर पुलिस परिवार के बच्चों के लिए एक शांत, सुरक्षित और बेहतर अध्ययन वातावरण प्रदान करेगा, जहां विद्यार्थी एकाग्रता के साथ अपनी पढ़ाई कर सकेंगे और भविष्य की तैयारी मजबूत बना सकेंगे।

इसके साथ ही पुलिस जिम की स्थापना पुलिस जवानों के स्वास्थ्य, फिटनेस और मानसिक सुदृढ़ता को ध्यान में रखकर की गई है, जिससे वे बेहतर स्वास्थ्य के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि पुलिस कर्मी दिन-रात समाज की सुरक्षा में जुटे रहते हैं, ऐसे में उनके परिवारों की सुविधा और कल्याण के लिए इस प्रकार की पहल अत्यंत आवश्यक है। यह कदम न केवल पुलिस बल का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि परिवारों को भी मजबूती प्रदान करेगा।

अधिकारियों ने देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और संवेदनशील प्रशासनिक सोच के कारण यह महत्वपूर्ण कार्य संभव हो पाया है।

देवास पुलिस की उपलब्धियों में यह एक और अहम अध्याय जुड़ गया है, जो पुलिस परिवार के कल्याण और आधुनिक कार्यसंस्कृति की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल माना जा रहा है।

श्रमिकों के अधिकारों पर कुठाराघात', देवास में उद्योगों और श्रम विभाग पर गंभीर आरोप

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमिक संगठन इंटक और जनप्रतिनिधियों ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्योग प्रबंधन और मध्यप्रदेश शासन के श्रम विभाग पर श्रमिकों के शोषण को लेकर गंभीर आरोप लगाए। वरिष्ठ अभिभाषक बी. एन. नागर, पूर्व महापौर रेखा वर्मा, इंटक जिला अध्यक्ष महेश तथा इंजीनियरिंग मजदूर सेवा संघ अध्यक्ष रामचन्द्र गुर्जर ने कहा कि श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों की लगातार अनदेखी की जा रही है। इंटक जिलाध्यक्ष महेश राजपूत ने कहा कि 1 अप्रैल 2024 से लागू न्यूनतम वेतन और परिवर्तनशील महंगाई भत्ते (डीए) के तहत प्रति श्रमिक ?2225 मासिक एरियर बनता है, जिसका भुगतान अब तक नहीं किया गया। जबकि इस संबंध में उद्योगों द्वारा लिया गया स्थगन आदेश 3 दिसंबर 2024 को उच्च न्यायालय द्वारा निरस्त किया जा चुका है। इसके बावजूद उद्योगों ने 1 अप्रैल 2025 से नया वेतनमान लागू कर दिया, लेकिन पुराने एरियर का भुगतान नहीं किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया गया कि जॉनडिअर, पेंटागन, आयशर, गजरा गियर्स, विप्पी इंडस्ट्रीज सहित कई कंपनियों में ठेका श्रमिकों से 8 घंटे के बजाय 12 घंटे तक कार्य लिया जा रहा है, लेकिन ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जाता। साथ ही कुशल और अर्द्धकुशल श्रमिकों से कार्य लेकर उन्हें अकुशल श्रमिकों के बराबर वेतन दिया जा रहा है। इसी तरह बालोंकर, कोमवेल, कमिन्स, सनफार्मा, संघवी फूड इंडस्ट्री, कृति सोया और मधु सोया जैसी अन्य कंपनियों पर भी समान आरोप लगाए गए। इंजीनियरिंग मजदूर सेवा संघ के अनुसार उज्जैन रोड क्षेत्र के 50-60 उद्योगों में श्रमिकों से 12 घंटे तक कार्य लिया जा रहा है और कई जगह न्यूनतम वेतन तक नहीं दिया जा रहा है।

पूर्व महापौर रेखा वर्मा ने पर्यावरणीय मुद्दों को उठाते हुए कहा कि देवास के केमिकल और फार्मा उद्योगों द्वारा दूषित जल और रासायनिक अपशिष्ट जल स्रोतों में छोड़े जा रहे हैं, जिससे जल, भूमि और वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। उन्होंने पेंटागन उद्योग सहित कई फैक्ट्रियों में साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों के पालन पर भी सवाल उठाए। वरिष्ठ अभिभाषक बी. एन. नागर ने बताया कि टाटा समूह के लेडीज फुटवियर प्लांट को 2018 से बंद कर उत्पादन चेन्नई स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे 700 से अधिक महिला श्रमिक प्रभावित हुईं। औद्योगिक न्यायाधिकरण द्वारा इस बंदीकरण को अवैध घोषित किए जाने के बावजूद श्रमिकों को पुनः कार्य पर नहीं लिया गया और न ही बकाया वेतन दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि देवास के उद्योगों में स्थायी नौकरियों को समाप्त कर ठेका और फिक्स टर्म श्रमिकों से स्थायी कार्य कराया जा रहा है, जिससे उनका आर्थिक और मानसिक शोषण हो रहा है। श्रमिकों को ओवरटाइम, बोनस, न्यूनतम वेतन और दुर्घटना की स्थिति में उचित मुआवजा तक नहीं मिल रहा। अंत में श्रमिक संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही श्रमिकों के बकाया भुगतान और अधिकार सुनिश्चित नहीं किए गए, तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

जिला अस्पताल में फिर चोरी का प्रयास

बदमाश को पकड़कर किया पुलिस के हवाले, सुरक्षा पर उठे सवाल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। जहां पेट्रोल, इंजेक्शन, मोबाइल, नगदी के बाद अब तार चोरी का मामला सामने आया है। मंगलवार को लोगों ने एक युवक को तार चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना शाम करीब 5 बजे की है। जब जिला अस्पताल परिसर में तार चोरी करने की कोशिश कर रहे एक युवक को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। घटना अस्पताल के पीछे जनरेटर और अन्य जरूरी जगहों के पास हुई। अस्पताल के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने युवक को बिजली के तार काटते हुए देख लिया। तुरंत उसे पकड़ लिया गया और पूछताछ की गई। इसके बाद

उसे कोतवाली थाने भेज दिया गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम जानी पिता कल्लू निवासी महुपुरा बताया है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना के निर्देश पर डॉ. रवि सोनी ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी है। शिकायत में बताया गया कि युवक मुख्य जनरेटर और अन्य स्थानों के बिजली के तार काट रहा था।

ठप्प हो जाती व्यवस्था, मरीजों को होती परेशानी

बदमाश तार चोरी कर रहा था। जो जनरेटर के तार काट रहा था। यदि समय रहते वारदात का पता नहीं चलता तो जनरेटर की बिजली व्यवस्था ठप हो सकती थी। इससे भर्ती मरीजों के इलाज पर असर पड़ता और आपात स्थिति बन सकती थी। अस्पताल पुलिस चौकी के एसआई बाबूलाल डाबी ने बताया कि आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाने भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुरक्षा सवालों के घेरे में- जिला अस्पताल में सुरक्षा व सिक्योरिटी के नाम पर हर माह मोटी रकम खर्च की जाती है। बावजूद इसके यहां आए दिन वारदातें सामने आ रही हैं। कुछ दिनों पहले यहां से लगातार इंजेक्शन चोरी हो रहे थे। वहीं मरीजों के मोबाइल, नगदी व अन्य सामान चोरी होने की शिकायत भी सामने आती है। इसके अलावा वाहन चोरी भी कई बार सामने आ चुकी है। फिर भी वारदातें नहीं थम रही है। मंगलवार को भी युवक जनरेटर तक पहुंच गया और तार काटने का प्रयास करते पकड़ा गया। सवाल ये उठता है कि सिक्योरिटी गार्ड होने के बाद भी युवक वहां तक कैसे पहुंचा। इन वारदातों के चलते जिला अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में है।

नगर परिषद की पीआईसी की बैठक में विकास कार्यो के प्रस्ताव किए पास

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद की पीआईसी की बैठक मंगलवार को अध्यक्ष मीना शेखर यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें नगर विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। इस मौके पर नारी शक्ति अधिनियम 2023 संशोधन विधेयक संसद में पारित नही होने के विरूद्ध निन्दा प्रस्ताव भी पास किया गया। साथ ही नगर के विकास कार्य हेतु वार्ड पांच, छह, सात, बारह, तेरह, चौदह व पंद्रह में नवीन आंगनवाडी भवन निर्माण स्वीकृति एवं वार्ड क्रमांक सात नागेश्वरधाम शनि मंदिर धाम परिसर, वार्ड चार श्रीराम मंदिर परिसर, रामदेवजी मंदिर परिसर, एकवीरा माताजी मंदिर परिसर, परशुराम वाटिका, प्रियदर्शनीय कॉलोनी इन्द्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर, अणुनगर में नवीन शिव मंदिर परिसर, वार्ड क्रमांक 14 वाल्मीकि भवन परिसर, वार्ड क्रमांक 15 फिल्टर प्लांट एवं जैल रोड हनुमान मंदिर परिसर पर शेड निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। नगर के विभिन्न वार्डो में विशेष निधि से पेवर्स ब्लाक निर्माण सहित प्रधानमंत्री आवास योजना योजना 2.0 अंतर्गत सूचि का अनुमोदन कर नगर के विकास कार्यो हेतु प्रस्ताव पारित किये गये। बैठक में प्रेसिडेन्ट इन कौंसिल सभापति मीना यादव, अनिता जाधव, झन्नुबाई सिर्वी, सुखराम देवदा, उपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह पंवार उपस्थित थे। ऐजेण्डे का वाचन सीएमओ लालसिंह राठौर ने किया।

प्रधानमंत्री बीमा योजनाओं और अटल पेंशन योजना का हितग्राहियों को लाभ दिलाए- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, जीवन सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने, पंजीयन के लिए बैंकिंग करस्पांडेन्ट (बी.सी.)के माध्यम से तीनों विकासखण्ड की एक-एक पंचायत एवं सभी निकायों के एक-एक वार्ड में एक सप्ताह में शिविर आयोजित किया जाए। उक्त शिविरों के परिणामों के आधार पर आगे की कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक में विभागीय समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, सभी एसडीएम एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। कोज्या रात्री चौपाल में प्राप्त आवेदनों, समस्याओं का त्वरित निराकरण करें- बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने गत दिनों ग्राम कोज्या में रात्रि चौपाल में प्राप्त ग्रामीणों के आवेदनों, समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश भी सभी जिला अधिकारियों को दिए है। कलेक्टर ने जिला अधिकारियों को निर्देश, कि वे 10 दिन में, रात्रि चौपाल में प्राप्त सभी आवेदनों, समस्याओं का सकारात्मक निराकरण कर अवगत करवाए।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन तत्काल निराकृत करें- कलेक्टर श्री चंद्रा ने बैठक में जनसुनवाई में गत एक वर्ष में प्राप्त आवेदनों के विभागवार निराकरण की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देश दिए, कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का तत्परतापूर्वक निराकरण कर, प्रतिवेदन आनलाईन दर्ज करें। उन्होने कहा,कि प्राप्त सभी आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाईन में 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिए है। उन्होने कहा, कि सभी विभाग 20 तारीख का इंतजार ना करें और अभी से शिकायतों का निराकरण दिन प्रतिदिन करें।

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे, रास्ते में हो गया हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजगढ़ जिले के पचोर क्षेत्र के ग्राम कचनारिया के पास सोमवार रात करीब 11 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। जब एक पिकअप वाहन और ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पिकअप में सवार करीब 20 महिला-पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दो महिलाओं ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

इस हादसे में घायल सभी लोगों को गंभीर अवस्था में शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया। जबकि 20 से अधिक महिला-पुरुष घायल हैं। इनमें से 6 लोगों से अधिक घायलों की हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। बांकि घायलों का इलाज शाजापुर जिला अस्पताल में जारी है। मृतकों की पहचान भगवती बाई पति चंद्र सिंह और अवंती बाई पति गोपाल दोनो निवासी मवासा, जिला राजगढ़ के रूप में हुई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखा गया है, जिनका मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजनों को शव सौंप दिया गया।

अस्पताल में मची अफरा-तफरी- घटना की सूचना मिलते ही शाजापुर जिला अस्पताल में आपात स्थिति बना दी गई। सिविल सर्जन सहित डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखकर घायलों का तत्काल इलाज शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल मरीजों को इंदौर रेफर किया गया है। इधर हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग जिला अस्पता पहुंच गए, जिससे वहां अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

ममेरा लेकर जा रहे थे परिजन, हो गए हादसे का शिकार- रेफर किए गए मरीजों में हुकम सिंह, रामलखन, राधाबाई, कोमलबाई, कलाबाई, गीताबाई, कलाबाई सहित अन्य शामिल हैं। वहीं पिकअप वाहन के चालक देव सिंह को भी गंभीर हालत में पचोर से भोपाल रेफर किया गया है। घायल धीरप सिंह यादव ने बताया कि सभी लोग मवासा गांव से आयोजित शादी समारोह में मामेरा लेकर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे पिकअप पलट गई और सभी घायल हो गए।

भगवान श्री चिंतामण गणेशजी की शादी की वर्षगांठ 1 मई बुद्ध पूर्णिमा को मनाई जायेगी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यहां किला परिसर स्थित श्री चिंतामण गणेश मंदिर पर भगवान गणेशजी और माता रिद्धि सिद्धि की 15वीं शादी की वर्षगांठ बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी। इसको लेकर तैयारियां चल रही है। प. श्याम सिद्ध ने बताया की प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बुद्धपूर्णिमा को भगवान की शादी की 15 वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी शुक्रवार को दिन दिन भगवान गणेशजी अभिषेक कर भगवान का आकर्षक श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी और महाप्रसादी का भोग लगाया जाएगा। दिनभर महाप्रसादी का वितरण होगा। ज्ञात हो कि 2011 में पंच दिवसीय उत्सव के चलते बुद्ध पूर्णिमा के दिन स्वर्ण कलश स्थापना के साथ माता रिद्धि सिद्धि,लाभ शुभ, मुशक एवं शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी इसी के साथ भगवान श्री चिंतामन गणेश जी का विवाह किया गया था। श्री चिंतामन गणेश जी की बारात बड़ी धूमधाम से नगर में होते हुए समीप ग्राम खेड़ा मनोज सत्यनारायण के यहां गई थी जहां भगवान गणेशजी का विवाह माता रिद्धि सिद्धि के साथ हुआ था।

वन स्टॉप सेंटर बना संकट में सहारा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) के माध्यम से परेशान व जरूरतमंद महिलाओं को लगातार तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा सांवरिया सेठ मंदिर के पास, नीमच सिटी में एक महिला को बदहवास अवस्था में 4 बच्चों के साथ पाया गया।

तत्काल सहायता- रेस्क्यू ऑपरेशन- टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर महिला पार्वती (परिवर्तित नाम) व उसके चारों बच्चों को रेस्क्यू किया गया।

चिकित्सकीय उपचार- 108 एम्बुलेंस के माध्यम से महिला को जिला चिकित्सालय नीमच पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार प्रारंभ कर दिया गया है।

बच्चों की देखरेख- चारों बच्चों को सुरक्षित देखरेख हेतु शिशु गृह नीमच में रखा गया है।

प्राथमिक जानकारी- प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला मनासा क्षेत्र की निवासी होना पाई गई है। वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से प्रकरण में आगामी वैधानिक एवं कल्याणकारी कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने वन स्टॉप सेंटर की टीम के त्वरित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में कोई भी पीड़ित महिला या बालिका 181 महिला हेल्पलाइन या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती है।

अरुण पटेल व उनकी टीम उन्हेल शौचालय का निरीक्षण किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल में स्वच्छ जोड़ी अंतर्गत सहायक आयुक्त रविकांत मगरदे, हरीश व्यास सर, इदरीश खान, Kpmg से भूषण व्यास सर , विनीत श्रीवास्तव, इंजीनियर सचिन जायसवाल, ओम साईं विज़न से अरुण पटेल व उनकी टीम उन्हेल शौचालय का निरीक्षण किया गया। स्वच्छ शहर जोड़ी अंतर्गत उन्हेल के व्यवसायिक क्षेत्र व बस स्टेंड अंतर्गत आने वाली दुकानों का निरीक्षण किया गया एवं उन्हें सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग न करने व सिंगल यूज प्लास्टिक की जगह कांच के गिलास व कुल्हड़ का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही निकाय के कर्मचारीगण एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा उपस्थित रहे।

अंजुमन कमेटी ने आज़मीन ए हज का एजाज़ किया

हज यात्रियों का किया स्वागत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हज के लिए हज यात्रियों की रवानगी शुरू हो गई है। उनके सफ़र को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है। इस वर्ष शहर से पवित्र यात्रा पर जाने वाले 55 जायरिनों से देश और प्रदेश में अमन, शांति, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं करने का अनुरोध किया। रविवार को ईदगाह रोड़ स्थित गार्डन में अंजुमन कमेटी ने हज पर जा रहे समाजजनों का स्वागत कर उनकी सफल यात्रा की कामना की।

हज पर जाने वाले शेख शमीम, अफराद कुरैशी, एजाज़ बबलू कुरैशी, अलीम खांन, शेख सलाम उद्दीन राठी, कुर्बान मंसूरी, जेनुल आबेदीन, शेख गनी, शेख सोहेल सहित महिला जयरिनों का स्वागत किया। इस अवसर पर नव नियुक्त शहर काज़ी जनाब रेहमत उल्ला की दस्तार बंदी कर स्वागत किया गया। अंजुमन कमेटी के स्वागत समारोह के मुख्य अतिथि युवा नेता योगेंद्र सिंह बंटी बना ने हज यात्रियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि आप लोगों को सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि हज यात्रा के लिए चुने गए हैं। यह पवित्र यात्रा मंगलमय हो। हज के दौरान अल्लाह ताला से खासतौर पर देश के लिए दुआ करें, ताकि हमारे राज्य और जिले में खुशहाली आए। अंजुमन कमेटी सदर हाजी नईम कुरैशी ने यात्रियों से मक्का-मदीना की पवित्र धरती पर समाज के लिए विशेष रूप से अमन, शांति और भाईचारे की दुआ करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मक्का-मदीना के पावन धरती पर जरूर दुआ करें ताकि जिले में सदभावना बनी रहे। काज़ी एहसान उल्ला ने कहा कि हज इस्लाम धर्म में फर्ज है। हर साहिबे हैसियत पर ये इबादत फर्ज है। उन्होंने यह भी कहा कि हज करने वाला व्यक्ति गुनाहों से ऐसा पाक हो जाता है जैसे आज ही उसका जन्म हुआ है। इस अवसर पर ज़िला जमीअत उलेमा ए हिन्द के सदर हाजी आलिम मो. अफ़ज़ल, मुफ़्ती फारुक़, हाफ़िज़ शाहिद, हाफ़िज़ समी उल्ला, खजांची हाजी इब्राहिम पठान, जुनैद एहमद मंसूरी, मोहर्रम कमेटी के सदर इमरान खरखरे, इरशाद खांन, सिद्दीक अली, गोलू राठी, मूसा खांन, शालू वारसी आदि उपस्थित थे।

स्वच्छता में लापरवाही पर आयुक्त सख्त, एक सप्ताह में व्यवस्था सुधारने के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने सभी वार्डों के एसआई एवं दरोगाओं से अलग-अलग जानकारी ली। उन्होंने वार्डों में सफाई व्यवस्था, बैकलेन, नाला-नाली सफाई, बैनर-पोस्टर-पैम्फलेट हटाने, गार्डनों की सफाई, सीएंडडी वेस्ट उठवाने, खुली नाली ढंकने, खुले प्लाटों पर कचरे की जानकारी, बर्निंग पॉइंट, रोड स्वीपिंग, जीवीपी कार्य पर फोकस, बैकलेनों का सौंदर्यीकरण, फोकस पॉइंट पर पेवर्स ब्लॉकों की स्थिति, डंप कचरा उठाने सहित प्रतिदिन सफाई को लेकर समीक्षा की।

जिस वार्ड में जो कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल सुधारने के निर्देश दिए। वार्ड 9, 29, 31, 32, 34, 35, 37, 38, 39, 40, 42, 12, 13, 6, 7 और 3 में नालियों की सफाई नहीं होना, सीएंडडी वेस्ट पड़ा होना, निर्माण कार्य को ग्रीन नेट से नहीं ढंकवाया जाना, प्रमुख चौराहों की दीवारों से पैम्फलेट नहीं हटाना, वार्डों में कचरा पॉइंट पाया जाना आदि व्यवस्थाओं को लेकर दरोगाओं द्वारा रुचि लेकर कार्य नहीं करने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त की तथा एक सप्ताह में व्यवस्थाएं पूरी सुधारने के निर्देश दिए। आयुक्त ने जिन स्थानों पर कचरा डंप था तथा बर्निंग पॉइंट पर सुधार कर फोटो सहित रिपोर्ट देने को कहा।

आयुक्त ने दी कार्य में लापरवाही पर सेवा समाप्त की चेतावनी- आयुक्त के निरीक्षण में वार्ड 15, 21, 22, 24, 25 में सड़कों पर कचरा पाये जाने पर दरोगाओं को सख्त हिदायत दी तथा पुन- कार्य में लापरवाही होने पर वेतन काटने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। वहीं वार्ड 36 में सफाई के दौरान दरोगा द्वारा पुन- लापरवाही करने पर सेवा समाप्त करने की चेतावनी दी। इसी प्रकार वार्ड 39 में कचरा पॉइंट पर दोनों समय कचरा संग्रहण वाहन खड़ा करने के निर्देश दिए।

स्वच्छता के मापदंडों में सुधार लाना- कुछ वार्डों में दरोगा एवं सफाई मित्रों के द्वारा निर्धारित समय से कम समय सफाई की जा रही है। इसको लेकर आयुक्त ने वार्डों में प्रात- निर्धारित समय से 10 बजे तक कार्य करना, नालियों की शत प्रतिशत सफाई, स्वीपिंग मशीन से रोड सफाई, लिटर पिकिंग, खाली प्लाट कचरा मुक्त, निर्माण कार्यों में नेट बनवाना, वार्डों में पड़े सीएंडडी वेस्ट उठवाना एवं चालानी कार्रवाई करना, मेन होल ठीक करवाना, फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर्स हटवाना, ब्लॉकों की रिपेयरिंग करवाना, गार्डनों में प्रतिदिन सफाई, कंपोस्ट पिट रिपेयर एवं उसका उपयोग करना, गार्डनों में भी लिटरबिन लगाना, बर्निंग पॉइंटों पर फोकस, चेम्बरों की सफाई, व्यर्थ पानी बहाने पर चालानी कार्रवाई करना, अमानक पॉलिथीन पर चालानी कार्रवाई, सेग्रीगेशन में और सुधार करना, सीटी-पीटी तथा यूरिनल की सफाई पर पूरी तरह से कार्य में सुधार करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने एसबीएम प्रभारी सौरभ त्रिपाठी व जगदीश वर्मा को मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

पट्टे की जमीन पर कब्जे का आरोप: तालाब खुदाई के नाम पर मिट्टी 'गायब', पीड़ितों की कलेक्टर से गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम सावन में जमीन विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। पट्टे की भूमि पर जबरन कब्जा और अवैध मिट्टी उत्खनन के आरोपों के साथ दो पीड़ित किसान कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे और न्याय की मांग की।

प्रार्थी जेतराम पिता देवाजी और प्रकाश पिता स्वर्गीय मूलचंद ने शिकायत में बताया कि उनकी करीब 1 हेक्टेयर जमीन (सर्वे क्रमांक 2352 एवं 2352/मिन-2) वर्ष 2002 में शासन द्वारा पट्टे पर दी गई थी, जिस पर वे वर्षों से खेती करते आ रहे थे।

पीड़ितों के अनुसार उन्होंने गांव के ही बगदीराम गुर्जर को अधबटाई पर खेती के लिए जमीन दी थी। शुरुआत में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बगदीराम की मृत्यु के बाद उसका पुत्र गोविंद उर्फ पियुष ने जमीन पर कब्जा जमा लिया और अब फसल का हिस्सा देने से भी साफ इनकार कर दिया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गोविंद द्वारा 'बलराम योजना' के तहत तालाब की खुदाई कराई जा रही है, लेकिन इसके नाम पर बड़ी मात्रा में मिट्टी निकालकर अवैध रूप से बेची जा रही है।

पीड़ितों का कहना है कि विरोध करने पर उन्हें गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं, साथ ही पुलिस का डर दिखाकर खेत में आने से भी रोका जा रहा है। मामले में स्थानीय स्तर पर कार्रवाई न होने से पीड़ितों में नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पटवारी को शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, बल्कि वह आरोपी का पक्ष ले रहा है।

गांव में खूनी हमला, फिर पुलिस पर ही सवाल- कार्रवाई के बजाय 'रिश्वत' के आरोप, पीड़ितों ने कलेक्टर-एसपी से लगाई गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीरन थाना क्षेत्र के ग्राम खेताखेड़ा डोरिया से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने कानून व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक पीड़ित परिवार ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया है कि उनके साथ हुए जानलेवा हमले के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला, उल्टा पुलिस पर ही गंभीर आरोप लग रहे हैं।

पीड़ित राजुलाल ओड ने जनसुनवाई में शिकायत करते हुए बताया कि 24 अप्रैल 2026 की रात करीब 9 बजे, जब वह अपने घर के बाहर मौजूद थे, तभी ट्रैक्टर और मोटरसाइकिलों पर सवार करीब 15 लोग गांव में पहुंचे और अचानक हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों के हाथों में लाठी-डंडे ही नहीं, बल्कि धारदार हथियार भी थे। गाली-गलौज के बीच जान से मारने की धमकियां दी गईं और पूरे परिवार को निशाना बनाया गया।

हमले के दौरान बीच-बचाव करने आई महिलाओं और अन्य परिजनों के साथ भी मारपीट की गई, जिससे कई लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि हमलावर जाते-जाते महिलाओं के गहने–मंगलसूत्र और सोने की चेन–छीनकर फरार हो गए।

घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई और शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन यहीं से मामला और गंभीर हो गया। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने सभी आरोपियों के नाम दर्ज नहीं किए और केस को कमजोर करने की कोशिश की। इतना ही नहीं, आवेदन में यह भी कहा गया है कि कार्रवाई के बदले कथित रूप से रुपए की मांग की गई।

पीड़ित परिवार का कहना है कि कार्रवाई न होने से आरोपियों के हौसले और बढ़ गए हैं और वे लगातार धमकियां दे रहे हैं, जिससे परिवार दहशत में है।

इश्क, झूठ और खौफनाक साजिश: सोते पति का गला रेतने वाली पत्नी को उम्रकैद, एक फैसला जिसने हिला दी रिश्तों की नींव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक तरफ जहाँ विवाह को जन्म-जन्मांतर का बंधन माना जाता है, वहीं नीमच जिले के मनासा से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक पत्नी ने अपने पुराने प्रेम संबंधों को जारी रखने के लिए अपने ही पति की नृशंस हत्या कर दी। इस जघन्य हत्याकांड पर फैसला सुनाते हुए मनासा के द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश आशुतोष यादव ने आरोपी पत्नी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय द्वारा आरोपी ममता बंजारा (25) निवासी ग्राम आमद को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी मानते हुए उम्रकैद और 2000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

मामला करीब 6 साल पुराना है। घटना 22 सितंबर 2020 की है। ग्राम आमद में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब तूफान बंजारा नाम के व्यक्ति की उसके घर में ही लाश मिली। जाँच में सामने आया कि परिवार के अन्य सदस्य मजदूरी पर गए थे और दोपहर के समय जब घर

में कोई नहीं था, तूफान घर में सो रहा था तब आरोपी पत्नी ने सो रहे पति तूफान बंजारा के सिर पर लोहे के हथौड़े से हमला किया और फिर धारदार छुरी से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। वारदात इतनी निर्मम थी कि पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। अभियोजन के अनुसार, ममता का यह दूसरा विवाह (नातरा) था। उसकी पहली शादी ग्राम चूकनी में हुई थी, जहाँ वह अपने 6 माह के बच्चे को छोड़कर अपने मायके ढंढेरी आ गई थी। ममता का गाँव के ही एक युवक के साथ पिछले 7-8 वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। घरवालों ने उसकी मर्जी के खिलाफ जबरन तूफान बंजारा से उसकी शादी कर दी थी। ममता अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी और तूफान उसकी राह का काँटा बना हुआ था, जिसे हटाने के लिए उसने इस खूनी साजिश को अंजाम दिया।

कॉल रिकॉर्ड्स और वैज्ञानिक साक्ष्यों ने फंसाया- पुलिस विवेचना के दौरान आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी के बीच बातचीत के कॉल रिकॉर्ड्स अहम कड़ी साबित हुए। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी रितेश कुमार सोमपुरा ने बताया कि निरीक्षक कैलाशचंद्र चौहान ने वैज्ञानिक साक्ष्य और महत्वपूर्ण गवाहों के बयान एकत्र कर चालान पेश किया। पुलिस ने कॉल डिटेल, वैज्ञानिक साक्ष्य और गवाहों के आधार पर पूरे मामले को साबित किया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक गुलाबसिंह चंद्रावत ने मजबूत पैरवी की और विचारण के दौरान मजबूत दलील दी कि यह एक सुनियोजित और क्रूर हत्या थी। जिसके आधार पर अदालत ने अपराध को संदेह से परे मानते हुए सजा सुनाई।

सेवा सदन बना सहाराः जनता दरबार में विधायक मुरली भंवरा ने वृद्धा की पीड़ा दूर कर लौटाया उजाला

विधायक मुरली भंवरा के जनता दरबार में 75 वर्षीय वृद्धा की समस्या का त्वरित समाधान, एक वर्ष बाद घर में जला उजाला

बागली/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा द्वारा जनसेवा के प्रति समर्पण और संवेदनशील कार्यशैली का एक और प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। बागली स्थित विधायक निवास 'सेवा सदन' में प्रतिदिन आयोजित होने वाला जनता दरबार अब आमजन के लिए भरोसे और समाधान का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

इसी क्रम में आज ग्राम चापड़ा श्यामनगर की 75 वर्षीय वृद्धा नर्मदा बाई अपनी पीड़ा लेकर जनता दरबार में पहुँचीं। उनकी आँखों में बेबसी थी, लेकिन विधायक से मिलने की आशा भी स्पष्ट झलक रही थी।

वृद्धा ने बताया कि उनके पुत्र के असामयिक निधन के बाद वे अकेली रह गई हैं। आर्थिक तंगी और बिजली बिल की ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में पिछले लगभग 12 महीनों से उनके घर का बिजली कनेक्शन बंद था, जिससे उन्हें अंधेरे में जीवन यापन करना पड़ रहा था।

इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए विधायक मुरली भंवरा ने तुरंत संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए। उनके हस्तक्षेप से तत्काल वृद्धा का बिजली कनेक्शन पुनः बहाल कराया गया, जिससे उनके घर में फिर से उजाला लौट आया।

वृद्धा की उम्र और परिस्थितियों को देखते हुए विधायक भंवरा ने उन्हें आवागमन हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान की। इस दौरान भावुक क्षण तब आया जब नर्मदा बाई ने कहा- बेटा, अब बिजली आ गई है, तो इस पैसे से एक छोटा पंखा खरीद लूंगी, ताकि गर्मी में आराम से सो सकूं।

उनकी यह सरल इच्छा सुनकर विधायक भंवरा ने तुरंत एक नया पंखा मंगवाकर उन्हें भेंट किया। पंखा पाकर उनके चेहरे पर आई संतोषभरी मुस्कान ने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया।

जनता दरबार बना आमजन की उम्मीद का केंद्र- विधायक मुरली भंवरा द्वारा उनके निवास 'सेवा सदन' पर प्रतिदिन जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसमें क्षेत्र के दूर-दराज़ गांवों से रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोग अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचते हैं। यह जनता दरबार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बन चुका है।

जनता दरबार में विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारी भी निरंतर संपर्क में रहते हैं। विधायक भंवरा स्वयं मौके पर ही अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं के निराकरण हेतु तत्काल निर्देशित करते हैं, जिससे अधिकांश मामलों का समाधान उसी समय प्रारंभ हो जाता है।

विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर, बुजुर्ग, महिला एवं जरूरतमंद वर्ग के प्रति मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए उन्हें सीधे राहत प्रदान की जाती है। कई मामलों में आवश्यकतानुसार तत्काल आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे जरूरतमंदों को बिना किसी देरी के लाभ मिल सके।

विधायक भंवरा का मानना है कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल शासन-प्रशासन तक सीमित नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं को समझकर संवेदनशीलता के साथ उनका समाधान करना है। उनके इसी दृष्टिकोण के कारण 'सेवा सदन' का जनता दरबार आज क्षेत्र में विश्वास और सहारे का प्रतीक बन चुका है।

इस अवसर पर विधायक मुरली भंवरा ने कहा- जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मेरा निरंतर प्रयास है कि बागली विधानसभा का कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या के समाधान के लिए भटके नहीं, बल्कि उसे यहीं त्वरित राहत मिले।

उन्होंने आगे कहा- जनसेवा ही मेरा संकल्प है, हर जरूरतमंद तक समाधान पहुँचाना ही मेरा कर्तव्य।

मछली पलकों की मांग के बाद विभाग द्वारा जारी की गई सूचना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिद्पुर मे शिप्रा नदी के दूषित जल से हजारों की संख्या में मछलियों के मरने की आशंका से तहसीलदार महिद्पुर से निजी मत्स्य पालकों द्वारा कार्रवाई की मांग की गई है। किन्तु भीषण गर्मी, हीट वेव से एवं पानी के तापमान में अचानक परिवर्तन से मछलियो की मृत्यु हो सकती हैं। मत्स्य पालन विभाग जिला उज्जैन की सहायक संचालक द्वारा निजी एवं समस्त मत्स्य पालकों को सूचित किया हैं कि अप्रैल में मध्य प्रदेश भीषण गर्मी और हीट वेव (लू) की चपेट में है, जिससे तापमान अधिक हो गया है। अचानक से तापमान में परिवर्तन से भीषण गर्मी (हीट वेव) के दौरान तालाबों का तापमान बढ़ने और ऑक्सीजन कम होने से मछलियों के मरने का खतरा बढ़ जाता है। सहायक संचालक जिला उज्जैन द्वारा इन परिस्थितियों में मछलियों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए मछली पलकों को कुछ उपाय करने की सलाह दी है जैसे-

1.गर्मियों में तालाब की नियमित निगरानी करें।

2.यदि मछलियां पानी की सतह पर आकर सांस लेती हुई दिखें, तो यह ऑक्सीजन की कमी का संकेत है। तुरंत ताजे पानी का प्रवाह बढ़ाएं।

3.मछलियों का खान-पान और गतिविधि का ध्यान रखें।

4.दोपहर की कड़ी धूप में चारा न डालें। मछलियों को सुबह जल्दी (सूरज निकलने से पहले) या शाम को (सूर्यास्त के बाद) चारा दें, क्योंकि इस समय वे ऊपर आती हैं।

5.तालाब में लगातार पानी भरते रहें, ताकि जलस्तर 5 से 6 फीट तक बना रहे। गहराई होने से पानी जल्दी गर्म नहीं होता।

ताजा पानी डालें- सुबह-शाम पास के सबमर्सिबल पंप या ट्यूबवेल से ताजा ठंडा पानी डालें, जिससे घुली हुई ऑक्सीजन की मात्रा बनी रहे।

म. प्र. सेन समाज संगठन ने कान्हा सेन को केश शिल्पी बोर्ड अध्यक्ष बनाने हेतु मांग की

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म. प्र.सेन समाज संगठन द्वारा सेन समाज के सशक्त व संगठन के विभिन्न दायित्व पर रहे एवं भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न दायित्वों पर रहे युवानेता कान्हा सेन (इंगोरिया) को मध्य प्रदेश राज्य केश शिल्पी बोर्ड अध्यक्ष बनाने हेतु माननीय मुख्यमंत्री म. प्र. शासन से प्रदेश संरक्षक भरत भाटी उज्जैन, प्रदेश अध्यक्ष अशोक सोलंकी उन्हेल, जितेन्द्र सेन सारोला युवा मोर्चा उज्जैन , प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी, कुलदीप वर्मा उज्जैन, युवा प्रदेश अध्यक्ष बालकृष्ण वर्मा देवास, पार्षद राज वर्मा देवास, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल परमार देवास, नगर अध्यक्ष अनिल वर्मा देवास, वरिष्ठ जिलाध्यक्ष गणेश जी परिहार, बजरंग दल संयोजक दिलीप टांकवाल इंदौर, गौरी शंकर वर्मा आष्टा (सिहोर), पवन सेन आष्टा, भाजपा नेता लखन परमार इंदौर, सुभाष भाटिया सांवेर, प्रदेश सचिव परमानंद पड़ियार धार, जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिसोदिया धार, डॉ. ओमप्रकाश परमार धार, जिलाध्यक्ष घनश्याम भाटी झाबुआ, प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप सेन झाबुआ, हरीश सेन मनावर, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता शम्भू सेन मंदसौर, राकेश सेन सम्राट् मंदसौर, जिलाध्यक्ष बलराम राठौर मंदसौर, चंद्रप्रकाश भाटिया शाजापुर, प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष सोलंकी आगर, जुगलकिशोर पार्षद सुसनेर,जिलाध्यक्ष घनश्याम सेन शाजापुर, मणीशंकर वर्मा शाजापुर, सरपंच राकेश सेन शाजापुर, प्रदेश सचिव शेलेंद्र सेन राजगढ़, जिलाध्यक्ष पंकज सेन राजगढ़, जिलाध्यक्ष ईश्वर सेन रतलाम, सोहनलाल जादव भाजपा पार्षद, जगदीश सेन डोडीया रतलाम, सुनील वर्मा नीमच, दिनेश परमार नीमच, एवं समाज के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीयो ने मांग की।

पीआईसीयू टीम की सजगता और समर्पण से थमती सांसों को मिला नया जीवन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 17 अप्रैल की भोर, सुबह 4:30 बजे, जब अधिकांश लोग नींद में थे, उसी समय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामा से 2 माह के नन्हे शिशु सोमला, पिता गुड्डू वाहुनिया, निवासी धामनदा को जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष की स्थिति में जिला चिकित्सालय झाबुआ रेफर किया गया।

जिला चिकित्सालय पहुंचते ही शिशु को तत्काल पीआईसीयू में भर्ती कर ड्यूटी पर मौजूद शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप चोपड़ा एवं डॉ. विनोद कुमार मुवेल द्वारा गहन जांच कर उपचार प्रारंभ किया गया। जांच में शिशु मस्तिष्क ज्वर (इन्सेफेलाइटिस) से पीड़ित पाया गया, जिसके कारण उसे बार-बार झटके आने लगे और उसकी सांसें थमने लगीं।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चिकित्सकों ने बिना समय गंवाए शिशु को वेंटिलेटर सपोर्ट पर लिया और कृत्रिम श्वसन के माध्यम से जीवन की डोर थामे रखी। लगातार 5 दिनों तक शिशु का उपचार वेंटिलेटर पर चलता रहा, जहां हर पल चिकित्सकीय टीम उसकी जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष करती रही।

धीरे-धीरे उपचार का असर दिखने लगा। वेंटिलेटर से हटाने के बाद अगले 7 दिनों तक शिशु को गहन निगरानी में रखते हुए मस्तिष्क ज्वर का समुचित इलाज किया गया। यह समय चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के धैर्य, समर्पण और विशेषज्ञता की असली परीक्षा थी।

पीआईसीयू में ड्यूटी पर कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन बामनिया, डॉ. भावेश परमार, डॉ. सहादर अखाड़े तथा समस्त नर्सिंग ऑफिसर्स के अथक प्रयासों, संवेदनशीलता और टीमवर्क के चलते आखिरकार वह पल आया, जब थमती सांसों ने फिर से जीवन की लय पकड़ ली। आज शिशु पूरी तरह स्वस्थ है और उसे सुरक्षित घर भेज दिया गया है। यह सफलता न केवल चिकित्सकीय दक्षता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि समर्पण और सेवा भाव से किसी भी कठिन चुनौती को पार किया जा सकता है।

सिकल सेल उन्मूलन की दिशा में पहल– 138 छात्रावास अधीक्षक बने 'सिकल मित्र'

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय झाबुआ द्वारा 27 अप्रैल 2026 को सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता एवं नियंत्रण के उद्देश्य से पूर्णायू फाउंडेशन एवं नोवा नोवार्डिस के सहयोग से ÷सिकल मित्र÷ तैयार करने हेतु सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के समस्त छात्रावास अधीक्षकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला झाबुआ डॉ. भारत सिंह बघेल रहे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम, पहचान एवं प्रबंधन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई तथा इस दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

कार्यक्रम में कुल 138 छात्रावास अधीक्षकों को सिकल सेल एनीमिया के लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें ÷सिकल मित्र÷ के रूप में तैयार किया गया। साथ ही, उन्हें सिकल सेल से पीड़ित मरीजों की देखभाल एवं सहयोग हेतु प्रेरित करते हुए शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सिकल सेल मिशन झाबुआ के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप चोपड़ा, नोवो नोवार्डिस से डॉ. संदेश दुबे, पूर्णायू फाउंडेशन से श्री प्रकाश तिवारी, विलियम जे. क्लिंटन फाउंडेशन से श्री मनीष जाटवा तथा पूर्णायू फाउंडेशन एवं नोवा नोवार्डिस की पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। यह आयोजन जिले में सिकल सेल एनीमिया के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने एवं प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

तम्बाकू नियंत्रण की जिला स्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति बैठक की गई। साथ ही, जिले में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के सफल संचालन और तंबाकू नियंत्रण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु जिला कलेक्टर को सम्मानित किया गया। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार ने तम्बाकू के बढ़ते उपयोग को रोकने के लिए 18 मई 2003 को तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम 2003 पारित किया है। यह अधिनियम उन सभी उत्पादों पर लागू होता है। जिनमें किसी भी रूप में तम्बाकू जैसे सिगरेट, सिगार, चेरूट, बीड़ी, गुटका, तम्बाकू युक्त पान मसाला, खेनी, मावा, मिसरी, सुंघनी आदि सम्मिलित है। अनुपालन सर्वेक्षण जिले को मिली इस उपब्धि हेतु जिले में तम्बाकू नियंत्रण कानून की धारा 4. 5. 6 एवं 7 का अनुपालन देखने के लिये एक अंतिम अनुपालन मूल्यांकन (सर्वेक्षण) किया गया। यह सर्वेक्षण जिले के 7 विकास खण्डों में किया गया। इसमें जिले के विकास खंडों के सार्वजनिक स्थानों एवं तम्बाकू उत्पाद बेचने वाली दुकानों पर बाहरी एवं स्वतंत्र संस्थान इन्दौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क द्वारा किया गया। सार्वजनिक संस्थानों के अन्तर्गत 7 तरह के स्थान जिसमे कार्यालय, होटल, खाने के संस्थान, शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं एवं अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल थे। इन स्थानो पर सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा धारा 4 एवं धारा 6वीं का अनुपालन देखा गया। तम्बाकू उत्पाद की दुकानों पर धारा 5 एवं धारा 6अ का अनुपालन देखा गया। इस अनुपालन सर्वेक्षण में जिले के 802 सार्वजनिक संस्थान एवं 212 तम्बाकू उत्पाद की दुकानों पर अनुपालन सर्वेक्षण किया गया। धारा 7 के लिए तम्बाकू उत्पादों पर चित्रात्मक स्वास्थ्य चेतावनियों की उपस्थिति देखी गई।

मानकों की समझ के साथ बायोगैस पर ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय, खरगोन में मानक क्लब के अंतर्गत बायोगैस (बायोमीथेन) प्लांट विषय पर ज्ञानवर्धक एवं तकनीकी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय मानकों, गुणवत्ता एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उनकी तकनीकी समझ को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डीएस बामनिया ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में गुणवत्ता आधारित सोच विकसित करते हैं और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। वहीं माइक्रो बायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. केएस बघेल ने भारतीय मानक ब्यूरो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में मानकीकरण आधारित तकनीकी ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर बायोगैस जैसी स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के लिए।

इस अवसर पर आयोजित तकनीकी क्विज प्रतियोगिता में बायोगैस की संरचना, प्लांट के घटक, फीडस्टॉक, तापमान तथा ऑर्गेनिक लोडिंग रेट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रश्न पूछे गए। बहुविकल्पीय प्रश्न, रैपिड फायर एवं विश्लेषणात्मक राउंड के माध्यम से प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता का मूल्यांकन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समापन मानक क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश चौधरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ऐश्वर्या दिलावरे ने किया। इस अवसर पर प्रो. राजेन्द्र सिंह चौहान, प्रो. सुनैना चौहान, प्रो. ललित कुमार भटानिया, प्रो. संतोष कुमार राठौड़, प्रो. अमिका बिरले सहित मानक क्लब के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेदांता ने 80 बेड वाले कैंसर अस्पताल का अधिग्रहण करके इंदौर में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

गुरुग्राम। भारत के उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में कार्यरत सबसे बड़े निजी बहु-विशेषज्ञ तृतीयक देखभाल प्रदाताओं में से एक, ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड मेदांता ने आज एक व्यापार हस्तांतरण समझौते के तहत मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थित 80 बिस्तरों वाले कैंसर अस्पताल के अधिग्रहण की योजना की घोषणा की। यह अधिग्रहण मध्य भारत में मेदांता की उपस्थिति को मजबूत करता है और इसके मौजूदा 175 बिस्तरों वाले मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल को और अधिक सशक्त बनाता है। मेदांता की वर्तमान इंदौर सुविधा से महज 500 मीटर की दूरी पर रणनीतिक रूप से स्थित, नवनिर्मित कैंसर केयर अस्पताल एक व्यापक ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम शुरू करने में सक्षम होगा, जिससे इंदौर में मेदांता की विशेष सेवाओं में वृद्धि होगी। इस एकीकरण के परिणामस्वरूप संचालन में तालमेल बढ़ने, क्षमता के उपयोग को अनुकूलित करने और दोनों स्थानों में मरीजों के आवागमन में सुधार होने की उम्मीद की जा रही है।

व्यापार हस्तांतरण समझौते के तहत, हस्तांतरणकर्ता के रूप में एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर बिजनेस अंडरटेकिंग को एक चालू व्यवसाय के रूप में हस्तांतरिती मेदांता को हस्तांतरित करेगा। मेदांता व्यवसाय के हस्तांतरण के लिए 30 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जिसमें लॉन्ग टर्म पट्टे का हस्तांतरण भी शामिल है।

इस सौदे पर टिप्पणी करते हुए, मेदांता के ग्रुप सीईओ श्री पंकज साहनी ने कहा - इंदौर में 80 बिस्तरों वाले कैंसर अस्पताल का अधिग्रहण शहर में मेदांता के मौजूदा अस्पताल का विस्तार है। अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजी अवसंरचना से सुसज्जित यह सुविधा हमें व्यापक कैंसर देखभाल को शामिल करने में सक्षम बनाती है, जो पहले एक अनुपलब्ध विशेषता थी, साथ ही हमारी मौजूदा सेवाओं की श्रृंखला का और विस्तार करती है। यह अस्पताल हमारे इंदौर परिसर का पूरक है, जिससे मरीजों की पहुंच में सुधार होता है और दोनों सुविधाओं के बीच परिचालन संबंधी तालमेल बनता है। यह एकीकरण उन्नत, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए मेदांता की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है और क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली विशेष देखभाल के अग्रणी प्रदाता के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

काले रंग की स्कॉर्पियो में अवैध मादक पदार्थ की बड़ी खेप जब्त, जीरन पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जीरन थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन से भारी मात्रा में डोडाचूरा जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया व नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन में जीरन थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश यादव के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की।

नाकाबंदी के दौरान आरोपी फरार- दिनांक 27 अप्रैल 2026 को संदिग्ध वाहन चेकिंग के दौरान काले रंग की स्कॉर्पियो (क्रमांक ऋछ 14 क्क 3477) को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन चालक ने वाहन तेज गति से भगाते हुए नाकाबंदी तोड़ दी और हरनावदा रोड की ओर फरार हो गया। बाद में आरोपी वाहन को हरनावदा पुलिया के पास छोड़कर मौके से भाग निकला।

वाहन से मिली भारी मात्रा में मादक पदार्थ - पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से कुल 2 क्विंटल 61 किलो 300 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 9.60 लाख रुपये बताई जा रही है।

मामला दर्ज, आरोपी की तलाश जारी - पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। वाहन स्वामी की जानकारी जुटाकर आरोपी की तलाश की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उमेश यादव एवं उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

देवास में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

होटल-ढाबों पर शराब रखने और बेचने पर धारा 34(2) की सख्त कार्रवाई, भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, परिवहन, संग्रहण तथा होटल-ढाबों पर शराब पिलाने और बेचने वालों के विरुद्ध आबकारी विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। होटल-ढाबों पर अवैध रूप से शराब रखने एवं बिक्री करने वालों पर अब धारा 34(2) जैसी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में सोमवार 28 अप्रैल 2026 को आबकारी विभाग की टीम ने देवास शहर के संदिग्ध स्थानों पर विशेष तलाशी अभियान चलाया।

इसी दौरान गंगानगर स्थित पुष्पाराज होटल पर मुखबिर की सूचना के आधार पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान होटल में अवैध रूप से मदिरा का संग्रहण करते हुए अजय उर्फ कान्हा धाकड़ पिता दिनेश धाकड़ को पकड़ा गया।

तलाशी में आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में देशी एवं विदेशी शराब बरामद की गई, जिसमें माउंट 6000 बीयर कैन (500 एमएल) 62 कैन, देशी मदिरा प्लेन 77 पाव, लंदन प्राइड वोडका 17 पाव, रॉयल चैलेंज व्हिस्की 7 पाव तथा लंदन प्राइड व्हिस्की 18 पाव शामिल हैं। कुल 52.42 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई।

आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलेश पवार, आबकारी उपनिरीक्षक अरविंद सोलंकी, आबकारी मुख्य आरक्षक दीपक धुरिया, आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, निहाल खत्री, आशीष गुप्ता, सुरेंद्र वर्षी तथा नगर सैनिक अनिल चौहान, अनिल अकोदिया और किशोर सिसोदिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के कारोबार, होटल-ढाबों पर अवैध शराब पान, संग्रहण और बिक्री के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सिंहस्थ-2028 के कामों में ढिलाई पर सख्ती, अवंतिका गैस कंपनी को थमाया नोटिस

मक्सी रोड ब्रिज निर्माण गैस पाइपलाइन से अटका, संभागायुक्त बोले—लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में प्रशासन अब पूरी सख्ती के मूड में नजर आ रहा है। मंगलवार को नियमित निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त और कलेक्टर ने साफ शब्दों में कह दिया कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मक्सी रोड स्थित निर्माणाधीन ब्रिज पर काम की धीमी रफ्तार सामने आई। वजह बनी अवंतिका गैस कंपनी की गैस पाइपलाइन, जिसे तय समय तक नहीं हटाया गया। इस पर संभागायुक्त आशीष सिंह ने नाराजगी जताते हुए कंपनी को नोटिस जारी करने और सख्त कार्रवाई के निर्देश मौके पर ही दे दिए।

अधिकारियों ने बताया कि उज्जैन-इंदौर रेल सेक्शन पर आईटीआई के सामने पुराने ब्रिज के समानांतर टू-लेन आरओबी बनाया जा रहा है। करीब 684 मीटर लंबे और 12 मीटर चौड़े इस ब्रिज का काम गैस पाइपलाइन के कारण प्रभावित हो रहा है। संभागायुक्त ने गैस कंपनी के अधिकारी को तुरंत पाइपलाइन शिफ्ट करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ-2028 के लिए शहर में तेजी से अधोसंरचना विकसित की जा रही है और इसमें बाधा डालने वालों पर कार्रवाई तय है।

इसके बाद टीम नृसिंह घाट पहुंची, जहां नए ब्रिज निर्माण का जायजा लिया गया। यहां 125 मीटर लंबे और 12 मीटर चौड़े पुल का निर्माण चल रहा है। संभागायुक्त ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश दिए और कहा कि नदी क्षेत्र का काम बारिश से पहले हर हाल में पूरा कर लिया जाए, ताकि मानसून में काम प्रभावित न हो।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दो टूक संदेश दिया गया। सिंहस्थ की तैयारियों में कोई ढिलाई नहीं चलेगी, तय समय में गुणवत्तापूर्ण काम ही प्राथमिकता है।

यूडीए में नई टीम ने संभाली कमान, रवि सोलंकी बने अध्यक्ष

दो साल बाद गठित संचालक मंडल का पदभार ग्रहण समारोह हुआ, विकास को नई दिशा देने का दावा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के विकास को गति देने की दिशा में उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) में मंगलवार को नई टीम ने औपचारिक रूप से जिम्मेदारी संभाल ली।

प्राधिकरण कार्यालय में मंगलवार शाम आयोजित पदभार ग्रहण समारोह में समाजसेवी रवि सोलंकी ने अध्यक्ष पद की कमान संभाली। करीब दो वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गठित इस संचालक मंडल को शहर के विकास कार्यों के लिए अहम माना जा रहा है।

समारोह में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति के बीच नवगठित टीम का स्वागत किया गया। इस दौरान सांसद, विधायक सहित कई जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में नई टीम ने शहर के विकास को प्राथमिकता देने और अधूरे प्रोजेक्ट्स को जल्द पूरा करने का भरोसा दिलाया।

राज्य शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आदेश अनुसार, मुकेश यादव और रवि वर्मा ने उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। वहीं विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र शर्मा (रामा गुरु), सुशीला जाटवा और दुर्गा बिलोटिया ने सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष रवि सोलंकी ने संकेत दिए कि यूडीए की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तेजी लाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, आवास योजनाओं और यातायात सुधार जैसे मुद्दों को प्राथमिकता में रखा जाएगा।

दो साल बाद गठित इस टीम से शहरवासियों को विकास कार्यों में तेजी की उम्मीद है। अब देखना होगा कि नई टीम अपने वादों पर कितनी तेजी से अमल कर पाती है।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को सीईओ जिला पंचायत द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए।

श्रीराम कॉलोनी यंत्र महल निवासी गंगाराम मेहर ने आवेदन दिया कि उन्होंने एक व्यक्ति के साथ पार्टनरशीप में पेंटिंग, साईन बोर्ड आदि का कार्य प्रारंभ किया था। व्यक्ति द्वारा झूठ बोलकर उन्हें कर्जा दिलवाया गया तथा वर्तमान में वह व्यक्ति कर्ज में लिए हुए रुपए को लेकर भाग गया है। इस पर थाना प्रभारी नीलगंगा को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

किशनपुरा निवासी राहुल राव ने आवेदन दिया कि उनके पैतृक आवासीय भूखंड पर एक व्यक्ति द्वारा झूठे दस्तावेज का उपयोग कर कब्जा कर लिया गया है तथा उन्हें मकान का निर्माण नहीं करने दिया जा रहा है। कुछ दिन पूर्व आवेदक के साथ मारपीट भी की गई है। इस पर थाना प्रभारी माधवनगर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

खाचरौद के ग्राम नंदीयासी निवासी अर्जुन सिंह चावड़ा ने आवेदन देकर शिकायत की कि ग्राम पंचायत चंदवासला में पदस्थ सचिव के द्वारा शासकीय भवन के निर्माण के लिए प्रदत्त की गई राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है और बहुत से कार्य वर्तमान में अपूर्ण है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत खाचरौद को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम बड़ागांव तहसील खाचरौद निवासी मेहरबान सिंह ने आवेदन दिया कि गांव में स्थित शासकीय भूमि पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध रुप से अतिक्रमण कर मकान का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस पर एसडीएम खाचरौद को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार एडीएम श्री अत्येन्द्र सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अन्य मामलों में जनसुनवाई की गई।

बारिश से पहले खत्म हो हनुमान नाका-हरिफाटक मार्ग चौड़ीकरण का काम

संभागायुक्त ने कहा - अधूरे काम समेटें, दिन-रात शिफ्ट में तेजी लाएं निर्माण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच शहर के प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण कार्यों को लेकर प्रशासन अब पूरी सख्ती के मूड में है। संभागायुक्त ने साफ निर्देश दिए हैं कि हनुमान नाका से हरिफाटक ब्रिज चौराहा तक 400 मीटर के मार्ग चौड़ीकरण कार्य को हर हाल में बारिश से पहले पूरा किया जाए।

सोमवार को निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसियों और नगर निगम अधिकारियों को चेताया कि अधूरे और बिखरे काम बारिश में बड़ी परेशानी बन सकते हैं। इसलिए पहले प्राथमिकता के साथ नाली निर्माण, पोल शिफ्टिंग और पाइपलाइन जैसे जरूरी कार्य तुरंत पूरे किए जाएं। संभागायुक्त ने कहा कि सड़क निर्माण एक तरफ से पूरा किया जाए, ताकि आम लोगों की आवाजाही बाधित न हो। उनका जोर इस बात पर रहा कि काम की गति बढ़े, लेकिन गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

निरीक्षण में सामने आया कि 18 मीटर चौड़ी सड़क के दोनों ओर नालियां बनाई जा रही हैं। इस पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि बारिश से पहले नालियों का निर्माण पूरा होना बेहद जरूरी है, ताकि जलभराव की समस्या न बने और शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। इसके बाद उन्होंने जयसिंहपुरा से लालपुल मार्ग का भी निरीक्षण किया। यहां भी नाली निर्माण और पोल शिफ्टिंग का काम जारी है। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि महाकाल मंदिर से जुड़े इस प्रमुख मार्ग पर काम दिन-रात शिफ्ट में कराकर तय समय सीमा में पूरा किया जाए। नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे साइट पर रोजाना मॉनिटरिंग करें और काम की प्रगति पर नजर रखें। किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि सिंहस्थ-2028 के दौरान देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे और शिप्रा नदी में स्नान करेंगे। ऐसे में शहर के प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम यातायात के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में विशेष लोक अदालत, एक प्रकरण का हुआ निपटारा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। न्याय को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह पहल मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर आयोजित हुई, जिसमें बंदियों को त्वरित न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। लोक अदालत के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मनोज कुमार भाटी, सप्तम् सिविल न्यायाधीश राघवेन्द्र पटेल और पंचम सिविल न्यायाधीश श्रीमती सारिका भाटी ने बंदियों से सीधे संवाद किया। इस दौरान पैरालीगल वालिंटियर्स ने भी सक्रिय भूमिका निभाई और बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। कार्यवाही के दौरान कुल 8 बंदियों के मामलों पर चर्चा की गई, जिनमें से एक प्रकरण का राजीनामे के माध्यम से मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। इस पहल से न केवल न्यायिक प्रक्रिया को गति मिली, बल्कि बंदियों को भी राहत का अनुभव हुआ। इस अवसर पर जेल प्रशासन की ओर से उप अधीक्षक प्रशासन जसमन सिंह डावर, सहायक अधीक्षक सुरेश गोयल, प्रवीण कुमार मालवीय सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सुबह-सुबह कलेक्टर पहुंचे ग्रामीणों के घर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर अनुभाग के ग्राम गजनीखेड़ी में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने रात्री विश्राम के बाद सुबह-सुबह गांव में घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। सुबह की पहली किरण के साथ जब कलेक्टर गांव की गलियों में पहुंचे तो यह महज एक औपचारिक दौरा नहीं था, बल्कि आमजन से जुड़ने की एक सच्ची पहल थी। उनके साथ जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने ग्रामीणों के घरों तक जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए। कलेक्टर ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। साथ ही बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने, स्व-गणना और जनगणना में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश भी दिया। इस दौरान गांव में सड़क, नाली, साफ-सफाई, बिजली और उर्वरक जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों ने इस पहल को बेहद सकारात्मक बताया। उनका कहना था कि जब अधिकारी खुद उनके द्वार तक पहुंचते हैं, तो समस्याएं कागजों से निकलकर सीधे समाधान तक पहुंचती हैं। सुबह-सुबह कलेक्टर को अपने दरवाजे पर देखकर ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया और चाय पिलाकर सम्मान जताया। इस मौके पर बड़नगर एसडीएम धीरेन्द्र पाराशर, तहसीलदार रूपाली जैन, जनपद सीईओ और पंचायत सचिव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बाइक से आए दो बदमाशों ने फोड़े कार के कांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घरों के बाहर खड़े वाहनो के कांच फोड़ने का मामला एक बार फिर सामने आया है। इस बार बदमाशों ने मिशन कम्पाउंड में खड़ी कार के कांच फोड़े। कैमरे में 2 बदमाश दिखाई दिये है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की है।

माधवनगर थाना क्षेत्र के मिशन कम्पाउंड में रहने वाले संदीप कुमार मीणा फार्मा कंपनी में सुपरवाइजर है। रात में उन्होने अपनी कार क्रमांक एमपी 13 सीबी 6504 घर के बाहर कम्पाउंड में खड़ी की थी। सुबह जब वह कंपनी जाने के लिये कार के पास पहुंचे तो आगे और पीछे दोनों साईड के कांच फूटे हुये थे। रात में अज्ञात बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया था। मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई। इस दौरान कम्पाउंड में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गये। जिसमें रात 1 बजकर 57 मिनट पर 2 बदमाश आते दिखाई दिये। जिन्होने अपनी बाइक कुछ दूर खड़ी की और कार के पास आये। दोनों ने पत्थरों से कार के कांच पर वार किये और भाग निकले। फुटेज समाने आने के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की है। कार के कांच फोड़ने का यह पहला मामला नही है। पूर्व में कई थाना क्षेत्रों में घरों के बाहर खड़े वाहनों के कांच फोड़ने के मामले सामने आ चुके है। कुछ वारदातों में नाबालिग होना सामने आये है।

ढांचा भवन आगजनी में शामिल 2 नाबालिग गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढांचा भवन में 11 अप्रैल की रात मकान पर पेट्रोल डालकर आग लगाने और हवाई फायर कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों में शामिल 2 नाबालिग सोमवार को पुलिस की हिरासत में आ गये। दोनों को न्यायालय में पेश कर बाल संप्रेक्षणगृह भेजा गया है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के ढांचा भवन में रहने वाले बदमाश रौनक गुर्जर के मकान में 11 अप्रैल की रात पांच बाइक पर सवार होकर आये एक दर्जन से अधिक बदमाशों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। बदमाशों ने क्षेत्र में हवाई फायर भी किया था। आगजनी का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लिया था। वही रौनक गुर्जर के पिता मनोहर गुर्जर की शिकायत पर आगजनी का प्रकरण दर्ज किया था। वीडियो फुटेज के आधार पर 13 बदमाशों को चिन्हित किया गया था। आगजनी में शामिल 2 नाबालिगो को पुलिस हिरासत में आ गये। थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया कि दोनों नाबालिग बापूनगर और बजरंग नगर के रहने वाले है। जिन्हे दोपहर में कोर्ट पेश किया गया था। जहां से बाल संप्रेक्षणगृह भेजा गया है। विदित हो कि 3 दिन पहले पुलिस ने मामले से जुड़े किशोर पटेल निवासी चिंतामण और कुख्यात बदमाश छिंगू बुंदेला के रिश्तेदार रितेश उर्फ राजा शर्मा को गिरफ्तार किया था। जिनके पास से देशी कट्टा और 2 जिंदा कारतूत बरामद किये गये थे। इससे पहले 14 अप्रैल को संतोष परमार पुलिस की गिरफ्त में आ गया था। अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। 8 अब भी फरार है, जिनकी तलाश जारी है। सभी बदमाश बुंदेला गैंग से जुड़े होना सामने आये है। जिनकी बदमाश रौनक गुर्जर के साथ सालों पुरानी रंजीश चली आ रही है।

रिश्तेदारों ने पति-पत्नी के साथ की मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्नी के बुलाने पर पहुंचे पति और दोस्त पर रिश्तेदारों ने हमला कर दिया। बीच बचाव का प्रयास करने में पत्नी भी घायल हो गई। पुलिस ने मामले में 5 से 6 लोगों पर मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है।

चरक अस्पताल में भर्ती जीवाजीगंज क्षेत्र के रहने वाले मंगलेश पिता ज्ञानेश नायक ने बताया कि पत्नी बरखा का मायका ग्यारसी नगर में है। शाम को पत्नी ने कॉल कर बताया कि उसके साथ रिश्तेदारों द्वारा मारपीट की जा रही है। वह अपने दोस्त संदीप परिहार के साथ ग्यारसी नगर पहुंचा, जहां पत्नी के रिश्तेदार समीर जगदीश और रंजीत ने अपने 2-3 साथियों के साथ मिलकर मंगलेश और संदीप के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। पति और उनके दोस्त के साथ मारपीट होती देखा बरखा बीच बचाओ में आई तो रिश्तेदारों ने उसके साथ भी मारपीट की। तीनों के घायल होने पर उन्हें उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जीवाजीगंज थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर मारपीट करने वालों की तलाश शुरू की है।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुईं गुजरात सीएम की धर्मपत्नी हेतलबेन पटेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार प्रातःकालीन भस्म आरती के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती हेतलबेन पटेल शामिल हुई और दर्शन किए। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से श्रीमती पटेल का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। भस्म आरती में शामिल होकर उन्होंने भगवान महाकाल से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं देश की खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती देश-विदेश में विशेष आस्था का केंद्र मानी जाती है, जिसमें शामिल होने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से उज्जैन पहुंचते हैं।

आशा की किरणः प्राइवेट अस्पतालों द्वारा रिस्क लेने से इनकार के बाद सरकारी चिकित्सालय ने दी माँ-बच्चे को नई जिंदगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले के चरक भवन जिला चिकित्सालय में एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की सकारात्मक तस्वीर उभरी है। रतलाम जिले की निवासी श्रीमती पूर्णिमा, जो दूसरी बार गर्भवती थीं और गर्भावस्था का आठवां माह चल रहा था, गंभीर स्थिति में चरक भवन पहुँचीं। उनका ब्लड प्रेशर बहुत अधिक बढ़ा हुआ था तथा पिछली प्रसूति भी सीजेरियन से हुई थी।

प्राइवेट अस्पतालों ने जोखिम लेने से साफ इनकार कर दिया था। कुछ अस्पताल 1.50 लाख रुपए तक की मांग कर रहे थे, जिसे पूर्णिमा के परिजन वहन नहीं कर सकते थे। पूरा परिवार बड़ी आशा लेकर उज्जैन के चरक भवन पहुंचा।

यहां महिला चिकित्सक डॉ. रेणू दुबे (स्त्रीरोग विशेषज्ञ) ने पूर्णिमा को तुरंत भरोसा दिलाया और कहा कि आप बिल्कुल घबराएं नहीं, आपका पूरा इलाज और प्रसव यहां निःशुल्क होगा। हम पूरी टीम के साथ आपकी और बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

डॉ. रेणू दुबे की देखरेख में तुरंत उपचार शुरू किया गया। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए विशेष दवाइयां और जरूरी ट्रीटमेंट दिया गया। मां और बच्चे दोनों की जान बचाने के उद्देश्य से सीजेरियन ऑपरेशन का निर्णय लिया गया।

डॉ. रेणू दुबे (स्त्रीरोग विशेषज्ञ), डॉ. दिनेश सिसोदिया (निश्चेतना विशेषज्ञ) तथा उनकी कुशल टीम के अथक प्रयासों से सफल सीजेरियन ऑपरेशन सम्पन्न हुआ। पूर्णिमा ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया, जिसका वजन 3 किलो 600 ग्राम था।

प्रसव के बाद मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। पूर्णिमा को जननी सुरक्षा योजना के तहत सभी सुविधाएं- जांच, दवाइयां, ऑपरेशन, भोजन, ब्लड ट्रांसफ्यूजन और परिवहन-पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। प्रसव के तुरंत बाद शिशु को स्तनपान, पोलियो, हेपेटाइटिस-बी और बीसीजी वैक्सीन के जीरो डोज दिए गए। 108 एंबुलेंस के माध्यम से मां-बच्चे को घर तक सुरक्षित पहुंचाया जाएगा।

यह सफलता सरकारी चिकित्सालयों में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं और जननी सुरक्षा योजना की उपयोगिता को दर्शाती है। योजना के तहत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने का सरकार का निरंतर प्रयास सराहनीय है।

डॉ. रेणू दुबे ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में हर मां-बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलना चाहिए। हमारा लक्ष्य हर गर्भवती महिला को भरोसा दिलाना है कि वे बिना किसी चिंता के यहां आ सकें।

पूर्णिमा के परिवार ने चरक भवन की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि हम बहुत घबराए हुए थे, लेकिन डॉक्टरों ने हमें नई उम्मीद दी। सरकारी अस्पताल ने जो किया, वह हम कभी नहीं भूलेंगे।

बदमाश के पास से मिला 15 इंच लम्बा चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गोपालपुरा ब्रिज के पास बदमाश चाकू दिखाकर लोगों को धमकाकर भय पैदा कर रहा था। रात्रि गश्त पर निकले माधवनगर थाना एएसआई लक्ष्मीकांत गौतम को लोगों ने सूचना दी तो वह गश्त टीम के साथ गोपालपुरा ब्रिज के पास पहुंचे। बदमाश ने पुलिस वाहन देख भागने का प्रयास किया। जिसे पीछा कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 15 इंच से अधिक लम्बा चाकू बरामद हो गया। एएसआई गौतम ने बताया कि बदमाश से पूछताछ में उसका नाम अमान पिता इलियास खान 20 साल निवासी गांधीनगर पता चला। जिसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज कर सोमवार दोपहर कोर्ट में पेश किया। चाकू के साथ नीलगंगा थाना प्रधान आरक्षक विरेन्द्र दुबे ने रात में सूचना मिलने पर राजीव रत्न कालोनी से आनंदीलाल पिता रामचंद्र खत्री निवासी आबूखाना कोलूखेड़ी भैरवगढ़ को गिरफ्तार किया। जिसके पास से खटेकदार चाकू बरामद हुआ है। बदमाश किसी संगीन वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। मामले में आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। चिमनगंज थाना पुलिस ने भी सर्कल भ्रमण के दौरान संदिग्धों की तलाशी के दौरान जस्सू का ढाबा के पास से सचिन मालवीय निवासी बापूनगर और औद्योगिक क्षेत्र झुग्गी बस्ती से चेतन कुशवाह निवासी भैरू महाराज की गली के पास से चाकू बरामद किया है।

कोर्ट का आदेश मिलने पर भाइयों ने पिता-पुत्र पर किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकान पर किए गए कब्जे का मामला कोर्ट में विचाराधीन था। निर्णय आने पर कब्जाधारियों को मकान खाली करने के आदेश जारी किए गए। इसी बात पर कब्जाधारियों ने मकान मालिक और उसके पुत्र पर हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से मकान मालिक घायल हुआ है। पुत्र को मामूली चोट लगी है। नागदा के ग्राम गोठड़ा में रहने वाले शंकरलाल पिता रतनलाल 55 साल के मकान पर रतनलाल, ओमप्रकाश और सांगू ने कब्जा कर लिया था। तीनों सगे भाई हैं। मकान पर कब्जा होने पर शंकरलाल ने मामला कोर्ट में प्रस्तुत किया था जहां कई महीनों चली सुनवाई के बाद न्यायालय ने शंकरलाल के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कब्जाधारियों को मकान खाली करने के आदेश जारी कर दिए। इसी बात से तीनों भाई आक्रोशित थे। सोमवार शाम को रतनलाल शादी में शामिल होने के लिए ग्राम माऊड़ी गया था। जहां से भांजे कान्हा के साथ वापस लौट रहा था। रास्ते में मकान पर कब्जा करने वाले तीनों भाइयों ने शंकरलाल को रोक लिया और हमला कर दिया। भांजे कान्हा ने म शंकरलाल के पुत्र प्रहलाद को जानकारी दी। पुत्र प्रहलाद कार से घटना स्थल पहुंचा व लेकिन तीनों भाइयों ने उसके साथ भी स मारपीट करते हुए कार में तोड़फोड़ कर दी और तलवार से टायर काट दिए। तीनों जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। शंकरलाल गंभीर रूप से घायल हुआ था अ जिसे पुत्र प्रहलाद और भांजा कान्हा उपचार ह के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से ब उज्जैन रैफर किया गया है। मामले में पुलिस थ द्वारा जांच शुरू की गई है।

कार्य में लापरवाही के लिए अवंतिका गैस कंपनी को नोटिस जारी करने के निर्देश

सिंहस्थ के तहत चल रहे विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी-संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने नियमित निरीक्षण के दौरान मंगलवार को सिंहस्थ 2028 के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक क्षेत्र मक्सी रोड़ ब्रिज के समांतर निर्माणाधीन ब्रिज कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि ब्रिज निर्माण के लिए अवंतिका गैस कंपनी की गैस पाइप लाइन नहीं हटाई गई है, जिसके कारण कार्य प्रभावित हो रहा है। संभागायुक्त श्री सिंह ने अवंतिका गैस कंपनी को कार्य में लापरवाही करने पर नोटिस जारी कर सख्त कार्यवाही की चेतावनी देने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिए है। संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ के लिए प्रचलित कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर आगामी सिंहस्थ 2028 के तहत शहर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधोसंरचना विकास के कार्य प्रगतिरत है। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ कार्यों के नियमित निरीक्षण के तहत मंगलवार को मक्सी रोड़ ब्रिज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उज्जैन-मक्सी रोड़ पर पुराने समपार क्र.2 पूर्व ब्रिज के समानांतर उज्जैन-इंदौर रेल सेक्शन पर आईटीआई के सामने टू-लेन अतिरिक्त आरओबी का निर्माण किया जा रहा है।